जिसने बदली दिशा जगत् की,
धरती और आकाश की ।
जय बोलो ऋषि दयानन्द की,
जय सत्यार्थ प्रकाश की ।।

।। ओ३म् ।।

वर्ष - ६५ अंक - ७
मूल्य : एक प्रति १० रुपये
वार्षिक : १००) रु०
आजीवन - १०००) रु०
प्रतिमास ता० १३ को प्रकाशित

# आर्य-संसार

आषाढ़-श्रावण : सम्वत् २०७६ वि० जुलाई – २०१९

# आर्य समाज कलकत्ता के वर्ष २०१९-२० के सभासदों की सूची

१. श्री राजेन्द्र प्रसाद जायसवाल
२. श्री अमर सिंह सैनी
३. श्री श्रीराम आर्य
४. श्री राधेश्याम आर्य
५. श्री मनीराम आर्य
६. श्री पंडित आत्मानन्द शास्त्री
७. श्री अशोक कुमार सिंह
८. श्री सुरेश कुमार अग्रवाल
९. श्री छोटे लाल सेठ
१०. श्री मदन लाल सेठ
११. श्री लक्ष्मीकान्त जायसवाल
१२. श्री नन्दलाल सेठ
१३. श्री सन्तोष सेठ
१४. श्री सतीश आर्य
१५. श्री विनय कुमार आर्य
१६. श्री राजमणि वर्मा
१७. श्री दीपक आर्य
१८. श्री राम अचल प्रजापति
१९. श्री हीरालाल जायसवाल
२०. श्री अच्छेलाल सेठ
२१. श्री आनन्द प्रकाश गुप्ता
२२. श्री आशाराम जायसवाल
२३. श्री सुरेश चन्द्र जायसवाल
२४. श्री शिव कुमार अग्रहरि
२५. श्री शिवकुमार जायसवाल
२६. श्री ध्रुव चन्द जायसवाल
२७. श्री विजय प्रकाश जायसवाल
२८. श्री अच्छेलाल जायसवाल
२९. श्री रामपूजन वर्मा
३०. श्री योगेशराज उपाध्याय
३१. श्री कृष्ण कुमार जायसवाल
३२. श्री विवेक सेठ
३३. श्री सुदेश कुमार जायसवाल
३४. श्री द्वारका प्रसाद जायसवाल
३५. श्री पंडित देवनारायण तिवारी
३६. श्री रन्जीत कुमार झा
३७. श्री अजय कुमार सेठ
३८. श्री सत्येन्द्र जायसवाल
३९. श्री सत्यप्रकाश जायसवाल
४०. श्रीमती माधुरी साह
४१. श्री सतीश चन्द्र जायसवाल
४२. श्री विवेक जायसवाल
४३. श्री सिद्धार्थ गुप्त
४४. पं० नचिकेता भट्टाचाय
४५. श्री जुगल किशोर गोयल
४६. श्री अजय कुमार गुप्ता
४७ श्री अभिषेक सेठ
४८.श्री उमाशंकर जायसवाल
४९. श्री राधेश्याम अग्रहरि
५०. श्री सुबीर पोद्दार
५१. श्री राजीव गुप्ता
५२. पं० देवव्रत तिवारी
५३. श्री प्रभाकर सेठ
५४. श्री ओमप्रकाश मस्करा
५५. श्री प्रदीप कुमार जायसवाल
५६. श्री विशाल आर्य
५७. श्री गजानन्द राम
५८. श्री रतन सेठ
५९. श्री कमल प्रताप गुप्ता
६०. श्री लक्ष्मीकान्त शाह
६१. श्री निर्दोष अग्रवाल
६२. श्री राहुल जायसवाल
६३. श्री संजय कुमार जायसवाल
६४. श्री संजय अग्रहरि
६५. श्रीमती गीतारानी जायसवाल
६६. श्रीमती सत्यवती गुप्ता
६७. श्रीमती सन्तोष गोयल
६८. श्रीमती सुशीला दम्माणी
६९. श्रीमती सुनीता जायसवाल
७०. श्रीमती जानकी झा
७१. श्रीमती आशा अरोड़ा
७२. श्रीमती साधना देवी जायसवाल
७३. श्रीमती कविता अग्रवाल
७४. श्रीमती कुसुम कपूर
७५. श्रीमती भारती जायसवाल
७६. श्रीमती सरस्वती आर्या
७७. श्रीमती सुषमा गोयल
७८. श्रीमती बीना सेठ
७९. श्रीमती रन्जीता वर्मा
८०. श्रीमती शीला वर्मा
८१. श्रीमती आराधना जायसवाल
८२. श्रीमती शकुन्तला जायसवाल
८३.श्रीमती सावित्री जायसवाल
८४. श्रीमती उर्मिला साव
८५. श्रीमती नीलम प्रवीण
८६.श्रीमती उमा जायसवाल
८७. श्रीमती प्रवीणा जायसवाल
८८. श्रीमती सुषमा अग्रवाल
८९. श्रीमती रीना साव
९०. श्रीमती सत्यवती जायसवाल
९१. श्रीमती लीना दमानी उपाध्याय

ओ३म्

# आर्य-संसार


वर्ष ६५ अंक — ७
आषाढ़-श्रावण २०७६ वि०
दयानन्दाब्द १९५
सृष्टि सं० १,९६,०८,५३,१२०
जुलाई — २०१९

*आद्य सम्पादक*
***प्रो० उमाकान्त उपाध्याय***
*(स्मृति शेष)*

●

*सम्पादक :*
श्री राजेन्द्र प्रसाद जायसवाल
*सहयोगी संपादक :*
श्री सत्यप्रकाश जायसवाल
पं० योगेशराज उपाध्याय

●

शुल्क : एक प्रति १० रुपये
वार्षिक : १०० रुपये
आजीवन : १००० रुपये


## इस अंक की प्रस्तुति


| | | |
|---|---|---|
| १. आर्य समाज कलकत्ता के २०१९-२० के सभासदों की सूची | | २ |
| २. इस अंक की प्रस्तुति | | ३ |
| ३. स्वामी जी का स्वकथित जीवन-चरित्र | - पं० लेखराम द्वारा संकलित | ४ |
| ४. मन्त्रीजी का प्रतिवेदन | मन्त्री—श्री मदनलाल सेठ | ६ |
| ५. स्थिर निधियां | | २० |
| ६. आर्य समाज कलकत्ता का १ अप्रैल २०१८ से ३१ मार्च २०१९ तक का आय-व्यय विवरण | | २४ |
| ७. आर्य महिला शिक्षा मण्डल ट्रस्ट का आय-व्यय विवरण | | ३० |
| ८. वैदिक अनुसन्धान ट्रस्ट का आय-व्यय विवरण | | ३३ |
| ९. आर्य स्त्री समाज कलकत्ता का आय-व्यय विवरण | | ३५ |
| १०. १३३वें वार्षिकोत्सव के दानी दाताओं की सूची | | ३६ |



## आर्य समाज कलकत्ता

*१९, विधान सरणी, कोलकाता-७०० ००६*

*दूरभाष : २२४१-३४३९* ***email : aryasamajkolkata@gmail.com***



'आर्य संसार' में प्रकाशित लेखों का उत्तरदायित्व सम्बन्धित लेखकों पर है ।
किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र कोलकाता ही होगा ।

# महर्षि स्वामी दयानन्द सरस्वती जी का जीवन वृत्त

अध्याय—१

## पुष्कर के मेले का वृत्तान्त

*महर्षि स्वामी दयानन्द सरस्वती का जन्म फाल्गुन कृष्ण पक्ष दशमी को गुजरात में सम्वत् १८८१ में हुआ था। पूरे भारतवर्ष में स्वामी जी का जन्म दिवस मनाया जाता है। इसी अवसर पर आर्य समाज कलकत्ता ने निर्णय किया कि पं० लेखराम द्वारा संकलित एवं आर्य महामहोपदेशक कविराज श्री रघुनन्दन सिंह निर्मल द्वारा अनूदित महर्षि स्वामी दयानन्द का जीवन चरित्र धारावाहिक प्रकाशित किया जाय, इसी श्रृंखला में प्रस्तुत है यह धारावाहिक जीवन-चरित्र* — सम्पादक

(गतांक से आगे)

''लक्षण का लक्षण नहीं होता''-- वहाँ एक साधु कृष्णेन्द्र सरस्वती रहते थे। लोगों ने उनसे जाकर कहा कि गंगादितीर्थ-महादेव आदि की मूर्ति और वाल्मीकि, भागवतादि सबका (दयानन्द) श्रुति और स्मृति के अतिरिक्त खंडन करता है। ग्राम में कोलाहल मच गया। अन्त में कृष्णेन्द्र को लोग उसके बार-बार विरोध करने पर भी, वहाँ बनखंडी पर ले आये और शास्त्रार्थ आरम्भ किया। इतने में एक व्यक्ति ने कृष्णेन्द्र से पूछा कि महाराज मैं महादेव पर जल चढ़ा आऊं तो स्वामी जी बोले कि यहाँ तो पत्थर है, महादेव नहीं : 'महादेव: कैलाशे वर्तते' तब कृष्णेन्द्र ने पूछा कि यहाँ महादेव नहीं है ? स्वामी जी बोले कि वह महादेव मन्दिर के अतिरिक्त यहाँ भी है, वहाँ जाना व्यर्थ है। तब कृष्णेन्द्र ने गीता के इस श्लोक का प्रमाण दिया -

**'यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत ! अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम् ॥'**

स्वामी जी ने कहा कि ईश्वर निराकार है, अवतारधारी बन नहीं सकता। देह धारना केवल जीव का धर्म है। इसका कोई उत्तर कृष्णेन्द्र से न आया। वह स्वामी जी के सामने बैठा ही धैर्य्यहीन हो गया और घबरा कर वही गीता का श्लोक बार-बार लोगों की ओर मुख करके (मुख से कफ निकल रहा था) पढ़ने लगा। तब स्वामी जी ने कहा कि तू लोगों से शास्त्रार्थ करता है या मुझसे शास्त्रार्थ करता है। मेरे सम्मुख होकर बात कर। फिर जब इस पर भी वह बात न कर सका और उसका चित्त भी कुछ स्थिर न हुआ तो 'गन्धवती पृथिवी, धूमवती अग्नि:' इस प्रकार की न्याय की बात चली; जिसपर उसने कहा कि लक्षण का भी लक्षण होता है। स्वामी जी ने कहा कि लक्ष्य का तो लक्षण होता है परन्तु लक्षण का लक्षण नहीं होता। पूज्य का पूज्य या चूर्ण का चूर्ण क्या होगा ? इस पर सब लोग हँस पड़े और वह घबरा कर उठ खड़ा हुआ। सब लोग कहने लगे और जान गये कि स्वामी जी की जीत हुई।

उस समय जानकीदास नामक एक धूर्त वैरागी ने स्वामी जी को दुर्वाक्य कहा जिस पर एक दूसरा ब्राह्मण टीकाराम स्वामी बोला कि तू मेरे से बात कर, इनके सामने क्या बोलेगा । जिस पर वह घबरा कर चला गया । स्वामी जी उस समय ८-१० दिन रहे, वहाँ से फिर बेलोन को आये । उस समय स्वामी जी के कथनानुसार मेरा मूर्तिपूजा से चित्त हट गया और मन में सन्देह हो गया । कभी रुद्राक्ष की माला उतारता और कभी पहनता था । डांवाडोल मन से कहता था कि क्या करूं । इतने में एक दिन कृष्णेन्द्र मेरे पास आये और लोगों से मेरी निन्दा करने लगे और कहा कि तू नास्तिक है जो मूर्तिपूजा को छोड़ता है । मैंने जब देखा कि यह धूर्त निरर्थक हठ करता है तो पूर्णतया सच्चे हृदय से सब मूर्तिपूजा और रुद्राक्ष की माला भी छोड़ दी । मैं निम्नलिखित देवताओं की पूजा करता था — १-नर्मदेश्वर (भार १५ सेर) २-शालिग्राम (४ मूर्ति) ३- गणेश ४- गोमतीचक्र ५- टेढ़ी टांग वाला या बालगोविन्द ।

मैं अपनी १५ वर्ष की अवस्था से संवत् १९२४ तक इन पाँचों की पूजा करता रहा । अब ४ जनवरी, सन् १८९० को मेरी ६५ वर्ष की आयु है । मैंने २७ वर्ष इनकी पूजा की । गले में, हाथों में, मस्तक पर रुद्राक्ष की बड़ी-बड़ी माला पहनता था । स्वामी जी उनकी सर्प से उपमा देते थे । मैं कहता था कि महाराज माला है । स्वामी जी कहते थे कि हे धूर्त । यह मिथ्या और झूठ है । सारांश यह कि स्वामी जी के उपदेश से मैंने वह छोड़ दिया । कुल भार मेरी पूजा का चार घड़ी अर्थात् २० सेर होता था । मैं इस सब पूजा को घोड़े पर लाद कर फिरा करता था । उस दिन से पूर्णतया त्याग कर दिया ।

वहाँ से स्वामी जी बेलोन आये, मैं भी साथ था । २० दिन रहे, बेलोन के ठाकुर की मढ़ियों में रहे । वहाँ से कर्णवास आये और यहाँ कर्णवास में आकर डिबाई के वैश्यों और यहाँ के ठाकुरों के यज्ञोपवीत संस्कार कराये । यहाँ से अनूपश्हर गये और जब लौट आये तो यहाँ से आगे सोरों की ओर चले गये ।

नारायणप्रसाद वैश्व, स्थानापन्न अध्यापक पाठशाला रामघाट ने वर्णन किया 'कि मैंने भी स्वामी जी को महादेव बनखण्डी पर रामचन्द्र मुकद्दम के घर पर देखा । उस समय संस्कृत बोलते और सबको उपदेश देते थे । जो पण्डित उनसे मिलकर आता वह उनकी विद्या तथा गुण की प्रशंसा करता। हमारे यहाँ रामघाट के पण्डित बालमुकुन्द मठाचार्य्य, स्वामी जी से मिले थे । मेरी कई ऐसी शंकाएं थीं जो कभी भी निवृत्त नहीं होती थी ; वे केवल स्वामी जी से निवृत्त हुई । यह पंडित बालमुकुन्द व्याकरण के बहुत अच्छे विद्वान् थे । इन जैसा विद्वान् यहाँ और कोई न था । स्वामी कृष्णेन्द्र से भी महाराज दयानन्द जी की चर्चा हुई थी । पांच सात दिन चर्चा होती रही । यद्यपि दोनों ओर के पक्ष वाले अपने-अपने शब्दों में अपनी-अपनी जीत बतलाते थे परन्तु वास्तविक बात यह थी कि स्वामी दयानन्द जी का बात ठीक रही ।

क्रमशः .....

॥ ओ३म् ॥

# आर्य समाज कलकत्ता

## का संक्षिप्त विवरण एवं स्थायी क्रिया-कलाप

आर्य समाज कलकत्ता की स्थापना १८८५ ई० में हुई थी और स्थापना में ही यह प्रकट हो गया था कि इस समाज का भविष्य बड़ा उज्जवल है । आर्य समाज कलकत्ता के संस्थापक प्रधान राजा तेजनारायण जी थे । श्री तेजनारायण जी भागलपुर के रईस थे, अच्छे सम्पन्न थे और सम्पन्नता के साथ ही बड़े उदार हृदय के व्यक्ति थे । संस्थापक उपप्रधान जस्टिस पंडित शम्भूनाथ जी पण्डित के सुपुत्र पण्डित शंकरनाथ जी थे । पण्डित शंकरनाथ जी सम्पन्न तो थे ही, उच्च कोटि के विद्वान् और लेखक भी थे । राजा तेजनारायण और पण्डित शंकरनाथ का साथ-साथ प्रधान-उपप्रधान निर्वाचित होना मणि-कांचन जैसा सुयोग था । आर्य समाज कलकत्ता के संस्थापक प्रधानमंत्री बाबू महावीर प्रसाद जी निर्वाचित हुए । बाबू महाबीर प्रसाद जी राजा तेजनारायण जी के व्यवसाय और जमींदारी का दायित्व कोलकाता में सम्भालते थे ।

**प्रगति के चरणः**—आर्य समाज कलकत्ता अपने स्थापना काल से ही प्रगति के पथ पर अग्रसर होता रहा । प्रारम्भ में ही आज से १३० वर्ष पूर्व आर्यावर्त्त प्रेस स्थापित किया गया । इसके लिए राजा तेजनारायण जी ने २० हजार रुपये और पण्डित शंकरनाथ जी ने अपने निवास स्थान में दो कमरे दिए थे । उस आरम्भिक काल में भी आर्य समाज कलकत्ता ने आर्यावर्त्त नाम का एक पत्र प्रकाशित करना आरम्भ किया । पण्डित रुद्रदत्त शर्मा सम्पादकाचार्य इस पत्र के प्रथम सम्पादक नियुक्त हुए । राजा तेजनारायण जी ने १० हजार रुपये की सहायता देकर श्री देवेन्द्रनाथ मुखोपाध्याय को स्वामी दयानन्द सरस्वती जी की जीवनी लिखने के लिए सामग्री संचय के निमित्त प्रदान किया । आज १३१ वर्षों बाद ये १०, २० हजार रुपये आज कितने लाख हुए यह किसी के भी अनुमान का विषय हो सकता है । आरम्भ से ही आर्य समाज कलकत्ता के अधिकारी और कार्यकर्त्ता आर्य समाज कलकत्ता को प्रगति के पथ पर अग्रसर किये जा रहे हैं । पिछले १३२ वर्षों के सुदीर्घ काल में प्रगति के निम्न चरण उल्लेखनीय हैं । एक सूची निम्न प्रकार की जा सकती है—

| | |
|---|---|
| (१) आर्य समाज कलकत्ता की स्थापना | १८८५ ई० |
| (२) आर्य कन्या विद्यालय की स्थापना | १९०२ ई० |
| (३) आर्य समाज मंदिर की भूमि का क्रय | १९०७ ई० |
| (४) आर्य कन्या विद्यालय के लिए मकान का क्रय | १९०९ ई० |
| (५) आर्य समाज मन्दिर का निर्माण | १९१० ई० |
| (६) आर्य समाज कलकत्ता की रजत-जयन्ती | १९१० ई० |
| (७) आर्य महिला शिक्षा मंडल ट्रस्ट की स्थापना | १९३५ ई० |
| (८) आर्य समाज कलकत्ता की स्वर्ण जयन्ती | १९३५ ई० |

| | |
|---|---|
| (९) आर्य विद्यालय की स्थापना | १९३६ ई० |
| (१०) आर्य कन्या महाविद्यालय के लिए रानी बिड़ला भवन का निर्माण | १९३७ ई० |
| (११) आर्य स्त्री समाज की स्थापना | १९५२ ई० |
| (१२) आर्य कन्या महाविद्यालय के लिए दूसरे भवन का निर्माण | १९५५ ई० |
| (१३) रानी बिड़ला आर्य अतिथिशाला | १९५७ ई० |
| (१४) महर्षि दयानन्द दातव्य औषधालय | १९५९ ई० |
| (१५) आर्य संसार मासिक पत्र का प्रकाशन | १९५९ ई० |
| (१६) आर्य समाज कलकत्ता की हीरक जयन्ती | १९६१ ई० |
| (१७) रघुमल आर्य विद्यालय के लिए भवन का निर्माण | १९६२ ई० |
| (१८) ऋषि जीवन पर म्यूराल पेन्टिंग (गैलरी में) | १९६६ ई० |
| (१९) आर्य विद्यालय ट्रस्ट की स्थापना | १९६७ ई० |
| (२०) आर्य कन्या महाविद्यालय की हीरक जयंती (७५ वर्ष) | १९७७ ई० |
| (२१) सुवा देवी पोद्दार हाल का निर्माण | १९७८ ई० |
| (२२) रानी बिड़ला आर्य अतिथिशाला दूसरा तल्ला | १९७८ ई० |
| (२३) आर्य समाज कलकत्ता की शताब्दी | १९८५ ई० |
| (२४) रघुमल आर्य विद्यालय की स्वर्ण जयंती | १९८६ ई० |
| (२५) आर्य कन्या महाविद्यालय की शताब्दी | २००२ ई० |
| (२६) आर्य समाज मन्दिर की छत पर हॉल का निर्माण | २००८ ई० |
| (२७) आर्य संसार मासिक पत्र की स्वर्ण जयन्ती | २००९ ई० |
| (२८) आर्य समाज कलकत्ता का द्वितीय शताब्दी — रजत-जयन्ती | २०१० ई० |
| (२९) लिफ्ट का निर्माण | २०१२ ई० |
| (३०) आर्य गौरव (बंग भाषा में) मासिक पत्र का प्रकाशन | २०१३ ई० |
| (३१) सुवा देवी पोद्दार हॉल का वातानुकूलिकरण | २०१६ ई० |
| (३२) आर्य कन्या महाविद्यालय के छत पर कमरे का निर्माण | २०१८ ई० |

प्रगति के इन चरणों पर विहंगम दृष्टि डालने से किसी भी संस्था को अपनी प्रगति से संतोष का अनुभव होना स्वाभाविक है । इस समय आर्य समाज कलकत्ता कई प्रकार के जनसेवा के कार्यों का संचालन कर रहा हैं, जिसका विवरण निम्न हैं ।

**महर्षि दयानन्द दातव्य औषधालय :—** महर्षि दयानन्द दातव्य औषधालय का आरम्भ प्रसिद्ध आर्य महाउपदेशक ठाकुर अमर सिंह जी ने १९५९ ई० में प्रारम्भ किया । ठाकुर अमर सिंह

जी कुशल मिशनरी की तरह आयुर्वेद का भी अच्छा ज्ञान रखते थे । उस समय आर्य समाज कार्यालय के प्रभारी आयुर्वेद-भास्कर श्री दिनेश चन्द्र शर्मा थे । इनके सहयोग में श्री अमृत नारायण झा सहयोगी वैद्य का कार्य करने लगे । वर्तमान में इस औषधालय के अनुभवी चिकित्सक वैद्य श्री अमृत नारायण झा हैं । आर्य समाज के विशाल भवन में प्रवेश करते ही प्रथम खण्ड में बायीं ओर महर्षि दयानन्द दातव्य औषधालय और दाहिनी ओर आर्य समाज कलकत्ता का पुस्तकालय है । औषधालय प्रतिदिन प्रातः काल ७.३० बजे से १० बजे तक खुला रहता है और प्रतिदिन औसत में ६०-७० रोगी लाभ उठाते हैं । इस वर्ष औषधालय पर लगभग एक लाख रुपया का वार्षिक व्यय है ।

**होमियोपैथिक चिकित्सा** :—प्रत्येक सोमवार से बृहस्पतिवार तक को सायं काल ६ बजे से ८ बजे तक डा० परिमिता एवं मधुमिता पाल द्वारा निःशुल्क होमियोपैथी चिकित्सा प्रदान की जाती है। रोगियों की चिकित्सा और औषधि वितरण निःशुल्क किया जाता है ।

**नेत्र चिकित्सा विभाग** :—आर्य समाज कलकत्ता की युवा शाखा के तत्वावधान में प्रत्येक सोमवार को १२.३० बजे से १.३० बजे तक रोगियों का नेत्र परीक्षण और चिकित्सा डा० शौभिक घोष की देख-रेख में निःशुल्क करने की व्यवस्था है । आवश्यकता होने पर रोगियों को चश्मा भी निःशुल्क दिया जाता है । इसके अतिरिक्त श्री पी० गुप्ता शुक्रवार को सायं ६ से ८ बजे तक रोगियों का परीक्षण करते हैं।

**प्याऊ की व्यवस्था** :— दुर्गापूजा के समय सप्तमी से विजयादशमी तक प्रतिदिन सांयकाल ७ बजे से रात्रि १२ बजे तक प्याऊ की व्यवस्था युवा शाखा की ओर से की जाती है । आर्य समाज कलकत्ता के द्वितीय शताब्दी — रजत जयन्ती समारोह के अवसर पर स्थापना के १२५ वें वर्ष में मशीन द्वारा शीतल जल की व्यवस्था श्री शिवकुमार एवं श्रीमती सुनीता देवी जायसवाल द्वारा लगवाया गया तथा प्याऊ का पुनरूद्धार किया गया ।

**आर्य समाज कलकत्ता के मुख्य क्रिया कलाप**—आर्य समाज कलकत्ता एक सक्रिय समाज है उसके कंई कार्यक्रम स्थायी रूप से सम्पूर्ण वर्ष चलते रहते हैं ।

**दैनिक यज्ञ** :—सम्पूर्ण वर्ष प्रतिदिन प्रातः काल अनिवार्य रूप से देव यज्ञ का कार्यक्रम होता है । इस वर्ष १ अगस्त २०१६ से सायकाल ७:०० बजे से ७-३० बजे तक भी यज्ञ अनिवार्य रूप से प्रारम्भ हुआ । सायंकालीन यज्ञ की शुरूआत समाज के पूर्व प्रधान श्री अच्छेलालजी सेठ के प्रयास से सम्भव हो पाया । वे नियमित रूप से सायं यज्ञ में उपस्थित रहते हैं । प्रातः एवं सायं ७-०० से ७-३० बजे तक दैनिक यज्ञ में कोई न कोई विद्वान अवश्य सम्मिलित होते हैं ।

**साप्ताहिक सत्संग** :— आर्य समाज कलकत्ता का साप्ताहिक सत्संग प्रति रविवार प्रातः काल ९.३० से १२ बजे तक होता है । प्रातः ९.३० से १०.३० बजे तक यज्ञ का कार्यक्रम श्री पंडित नचिकेता भट्टाचार्य जी के द्वारा सम्पन्न कराया जाता है, यह साप्ताहिक यज्ञ बड़ा जनप्रिय है । इसमें लगभग ६०-७० व्यक्ति उपस्थित होते हैं । यज्ञ के पश्चात् प्रसाद और प्रातराश की व्यवस्था समाज की ओर से होती है । यज्ञ के पश्चात् सत्यार्थ प्रकाश की कथा, भजन, संगीत और मुख्य प्रवचन की व्यवस्था रहती है । आर्य समाज कलकत्ता के पण्डितगण—पण्डित आत्मानन्द शास्त्री, पण्डित देवनारायण

तिवारी और पण्डित कृष्णदेव शास्त्री, पं० योगेश राज उपाध्याय, पं० देवव्रत तिवारी, आ० ब्रह्मदत्त जी की सेवाएँ उपलब्ध रहती हैं । सत्यार्थ प्रकाश की कथा बहुधा पण्डित आत्मानन्द शास्त्री करते हैं। भजन और संगीत में आर्य समाज के सदस्यों का सहयोग तो रहता ही है साथ ही प्रसिद्ध भजनोपदेशकों द्वारा संगीत और भजन प्रस्तुत किया जाता हैं। सत्संग में मुख्य प्रवचन पण्डित देवनारायण तिवारी, आचार्य ब्रह्मदत्त जी, पं० देवव्रत जी एवं पं० योगेशराज उपाध्याय जी का होता है । कोलकाता जैसे महानगर में कई बार बाहर से विद्वान् संन्यासी उपस्थित हो जाते हैं उनके प्रवचन से भी समाज को लाभ होता है ।

आर्य स्त्री समाज का साप्ताहिक सत्संग —

आर्य स्त्री समाज कलकत्ता की स्थापना सन् १९५२ ई० में माता वीरावाली मनचन्दा एवं माता विद्यावती सभरवाल आदि माताओं के प्रेरणा एवं प्रयास से आर्य समाज कलकत्ता की छत्र-छाया में हुई। आर्य स्त्री समाज का सत्संग प्रत्येक बुधवार को अपराह्न ३ बजे से ५ बजे तक होता है, जिसमें यज्ञ, वेदपाठ, भजन, उपदेश सन्ध्या आदि का कार्यक्रम होता है । आर्य स्त्री समाज का साप्ताहिक सत्संग पण्डित नचिकेता भट्टाचार्य जी की देख-रेख में होता है । पण्डित जी अध्यात्म के विभिन्न विषयों को प्रश्नोत्तर के माध्यम से समझाते एवं मार्गदर्शन करते हैं । ११ अप्रैल से १५ अप्रैल तक आध्यात्मिक महिला सत्संग का कार्यक्रम पं० देशराज जी के सान्धिय में बड़ी धूम-धाम से मनाया गया ।

पण्डित नचिकेता जी के सान्निध्य में इस वर्ष स्वतन्त्रता दिवस, दीपावली प्रीति सम्मेलन, बसन्त पंचमी, होली उत्सव तथा नव संवत्सर आदि त्यौहार बड़ी धूम-धाम से मनाये गये ।

जो नियमित सदस्याएँ है उन्हें आर्य स्त्री समाज की तरफ से उनके जन्म दिवस पर एक नारियल और अभिनन्दन पत्र उनकी उपस्थिति में दिया जाता है । जो सदस्याएँ उस दिन उपस्थित नहीं हो पाती हैं उन्हें मन्त्री जी के द्वारा दूरभाष के माध्यम से बधाई दे दी जाती है ।

जनवरी में होने वाले चंडीपुर के वार्षिकोत्सव पर तकरीबन १५ महिलाएँ चंडीपुर समाज में गई थी वहाँ जाकर उन्होंने अपना योगदान दिया और सभी ने वहाँ बच्चों द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम को काफी सराहा और आनंद उठाया ।

महीने में एक बार किसी भी सदस्या के घर पारिवारिक सत्संग होता है तो उन्हें 'ओ३म्' का memento और धन्यवाद पत्र दिया जाता है । इस समय सदस्याओं की संख्या लगभग ५३ है। आर्य स्त्री समाज द्वारा बालक सत्संग को चलाने के लिये सहयोग दिया जाता है।

पं० नचिकेता जी के कुछ नया करने की प्रेरणा से प्रेरित होकर स्त्री समाज ने तीन वर्षा से मई महीने में जब प्रचंड गर्मी पड़ती है उस समय 'आम पन्ना और गुलाब शर्बत' भी पिलाने का प्रयास किया और तकरीबन ५०० लोगों को आम पन्ना एवं गुलाब शर्बत पिलाया गया । सभी सदस्याओं के अथक प्रयास से कार्यक्रम सफल रहा.।

आर्य स्त्री समाज आर्य समाज कलकत्ता के वार्षिकोत्सव पर महिला सम्मेलन के अवसर पर अपनी वयोवृद्ध सदस्याओं में से किसी एक सदस्या का सार्वजनिक अभिनन्दन करती है। इस वर्ष

श्रीमती सुषमा गोयल जी का अभिनन्दन किया गया । महिला सम्मेलन की अध्यक्षता डॉ० सत्या उपाध्याय जी ने की । इस वर्ष वार्षिकोत्सव के समय नई पीढ़ी को आगे लाने के उद्देश्य से बाल प्रतियोगिता तथा प्रश्नोत्तर प्रतियोगितारखी गई थी जिसे सभा में उपस्थित सभी धर्म प्रेमियों ने काफी सराहा और यह दोनों ही कार्यक्रम अत्याधिक सफल रहा । दोनों ही कार्यक्रम में प्रथम तथा द्वितीय पुरस्कार प्रदान किये गये । कार्यक्रम में भाग लेने वाली सभी सदस्याओं को उनके अथक प्रयास एवं योगदान के लिये उपहार भेंट किया गया ।

अत्यधिक उपस्थिति के लिए श्रीमती नीलम प्रवीन, उर्मिला साव जी को पुरस्कार प्रदान किया गया तथा विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार पाने वाली सदस्याओं को भी पुरस्कृत किया गया ।

## बाल सत्संग

**बाल सत्संग**—२६ जून २०११ से पं० नचिकेता भट्टाचार्य जी की प्रेरणा एवं आर्य स्त्री समाज कलकत्ता के सहयोग से बाल सत्संग पुनः प्रारम्भ हुआ । बाल सत्संग प्रत्येक रविवार को प्रातः ९.३० बजे से १२ बजे तक आर्य समाज कलकत्ता के ऊपरी सभागार में चलता है । बाल सत्संग पं० वेद प्रकाशजी शास्त्री के सान्निध्य में चल रहा है जिसमें सन्ध्या, यज्ञ, भजन, मन्त्रपाठ, नैतिक शिक्षा तथा वैदिक सिद्धान्तों की शिक्षा प्रदान की जाती है । इसके अतिरिक्त बच्चों को ड्राइंग तथा वाद्य यन्त्रों के साथ भजन गायन का अभ्यास कराया जाता है । बाल सत्संग में ४०-५० बच्चे उपस्थित होते हैं । बाल सत्संग के संचालन में श्री कृष्ण कुमार जायसवाल, श्री शिवकुमार जायसवाल तथा श्री सुदेश जायसवाल सक्रिय सहयोग प्रदान करते हैं ।

**पुस्तकालय एवं वाचनालय** :—आर्य समाज मन्दिर में प्रवेश करते ही दक्षिण पार्श्व में समाज का अपना वाचनालय है जिसके खुलने का समय प्रातः ११ बजे से रात्रि ८ बजे तक है । वाचनालय में देश में प्रकाशित विभिन्न भाषाओं के समाचार पत्रों एवं सांस्कृतिक प्रत्रिकाओं के पठन-पाठन की सुव्यवस्था है ।

पुस्तकालय में सहस्रों पुस्तकें हैं । आर्य समाज कलकत्ता में आरम्भ से ही पुस्तकालय रहा है । इसमें महत्वपूर्ण पुस्तकें क्रय करके दी जाती रही हैं । पुस्तकालय में इच्छुक सदस्यों को स्वाध्यायार्थ पुस्तकें देने की भी व्यवस्था है ।

## योग शिविर

आर्य समाज कलकत्ता में प्रतिदिन प्रातः ६ बजे से ७.३० बजे तक योग कक्षा का आयोजन पंतजलि योग समिति की श्रीमती मंजूश्री बनर्जी द्वारा लगाया जाता है ।

## बंगला साहित्य प्रचार

आर्य समाज के सिद्धान्तों एवं वैदिक धर्म प्रचारार्थ आर्य समाज कलकत्ता द्वारा समय-समय पर बंगला पुस्तकों का प्रकाशन एवं वितरण किया जाता है। वैदिक अनुसन्धान ट्रस्ट द्वारा बंगला भाषा में **रामायण दर्पण** का प्रकाशन किया गया है । यह पुस्तक स्वामी ब्रह्ममुनि द्वारा हिन्दी में लिखी गई । इसका बंगला अनुवाद पं० सतीश चन्द्र मण्डल द्वारा किया गया ।

## 'आर्य संसार' मासिक पत्र

आर्य समाज कलकत्ता द्वारा आर्य संसार मासिक पत्र का प्रकाशन नियमित रूप से १९५९ ई० से अनवरत होता रहता है । इस पत्रिका के प्रकाशन का उद्देश्य आर्य ऋषियों के ज्ञान को राष्ट्र एवं समाज के हर व्यक्ति तक पहुँचाना एवं अपने सहयोगियों से सम्पर्क स्थापन रखकर सैद्धान्तिक रूप में कुछ सेवा करना है ।

## 'आर्य गौरव' (बंग-भाषा) मासिक पत्र

बंग-भाषी क्षेत्रों में वैदिक सिद्धान्तों के व्यापक प्रचार व प्रसार हेतु तथा आर्य समाज की गतिविधियों को विस्तारित करने हेतु जनवरी २०१३ से अनवरत **'आर्य गौरव'** मासिक पत्र का बंगला-भाषा में प्रकाशन किया जा रहा है । इस पत्रिका का लोकार्पण प्रो० राजेन्द्र जिज्ञासु (अबोहर) जी के कर कमलों द्वारा हुआ था । इसके सम्पादक पं० वेदप्रकाश शास्त्री जी है ।

## शैक्षणिक कार्य

वेद प्रचार व साहित्य प्रचार के साथ-साथ शिक्षा के प्रचार व प्रसार में आर्य समाज ने अद्वितीय कार्य किया है । आर्य समाज कलकत्ता द्वारा भी दो विशाल शिक्षण संस्थायें संचालित हो रही हैं ।

**आर्य कन्या महाविद्यालय**—आर्य समाज कलकत्ता ने सन् १९०२ में नाई टोला में कन्या विद्यालय खोला । १९०९ में कन्या विद्यालय का भवन खरीदा गया । २०नं० विधान सरणी में प्रसिद्ध आर्य कन्या महाविद्यालय का भवन बनवाया गया । भवन का स्वामी आर्य महिला शिक्षा मण्डल ट्रस्ट है । इस समय आर्य कन्या महाविद्यालय के माध्यमिक विभाग में लगभग १७०० छात्राएँ एवं ४० अध्यापिकाएँ हैं । माध्यमिक विभाग की प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष—श्री राजेन्द्र प्रसाद जायसवाल, मन्त्री श्री मनीराम आर्य, श्रीमती लिपिका आदित्य (टीचर इन्चार्य) तथा सदस्य श्री श्रीराम आर्य, श्रीमती सुषमा अग्रवाल, डा० सुब्रत लाहिड़ी, डा० गोपाल दवे, शिक्षक प्रतिनिधि श्रीमती सुमन सिंह, श्रीमती सुनीता श्रीवास्तव, अभिभावक प्रतिनिधि—श्री सुजीत कुमार श्रीवास्तव एवं श्री किशोरी लाल हैं । सरकार द्वारा मनोनीत श्रीमती अरून्धती चौधरी Govt. Nominee है । सरकारी मान्यता प्राप्त Vocational Training की भी व्यवस्था है जिसमें ब्यूटिशियन, सिलाई आदि की शिक्षा दी जाती है तथा उत्तीर्ण छात्राओं को प्रमाण पत्र भी प्रदान किया जाता है ।

आर्य कन्या महाविद्यालय में छत पर कमरे का निर्माण श्री रवि पोद्दार जी के सहयोग से श्रीमती सुशीला वाई आलमाल के दान से किया गया ।

**आर्य कन्या महाविद्यालय (प्राथमिक विभाग)**—आर्य कन्या महाविद्यालय प्राथमिक विभाग में २२ अध्यापिकाएँ एवं लगभग ५०० छात्राएँ हैं । इसमें शिशु से चतुर्थ श्रेणी तक शिक्षा दी जाती है । शिक्षा का माध्यम हिन्दी है । प्राथमिक विभाग की प्रबन्ध समिति में श्री राजेन्द्र प्रसाद जायसवाल अध्यक्ष, श्री मनीराम आर्य मन्त्री, श्रीमती रश्मि तिर्की (टीचर इन्चार्ज), सदस्य श्री दीपक आर्य, श्रीमती सुनीता श्रीवास्तव, शिक्षक प्रतिनिधि श्रीमती नीता तलवार, अभिभावक प्रतिनिधि श्रीमती बबली शर्मा, श्री बिपुल राउत तथा वार्ड कांउसिलर श्रीमती साधना बोस हैं । माध्यमिक और प्राथमिक दोनों विभाग सरकारी सहायता प्राप्त है । दोनों विभागों में वैदिक शिक्षा दी जाती है ।

**महर्षि दयानन्द एकेडमी** — महर्षि दयानन्द एकेडमी की स्थापना चार वर्ष पूर्व हुयी । इसमें अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा दी जाती है । छोटे बच्चों को Play group से Class - I तक ।

## आर्य कन्या महाविद्यालय

| माध्यमिक परीक्षा - २०१९ | उच्च माध्यमिक परीक्षा - २०१९ |
|---|---|
| कुल छात्राएं - १६१ | कुल परीक्षार्थी छात्राएं - २६७ |
| उर्त्तीण संख्या - १४३ | उर्त्तीण संख्या - २५३ |
| उर्त्तीण प्रतिशत - ८८.२५३ | उर्त्तीण प्रतिशत - ९५% |
| प्रथम - ज्योति कुमारी राम - ५२० | सर्वोच्च अंक - ४३५ - रिंकी कुमारी राम (आर्ट्स) |

## रघुमल आर्य विद्यालय

इस विद्यालय की स्थापना १९३६ ई० में की गयी । इसका आरम्भिक नाम आर्य विद्यालय था। विद्यालय की वर्तमान प्रबन्ध कार्यकारिणी समिति के अध्यक्ष श्री मनीराम आर्य, मन्त्री—श्री राजेन्द्र प्रसाद जायसवाल, श्री राजीव सरकार (टीचर इन्चार्ज), सदस्य—श्री सुबीर पोद्दार, श्री श्रीराम आर्य, श्री दीपक आर्य, डा० अजय आर्य, शिक्षक प्रतिनिधि श्री दिनेश सिंह, श्रीमती विनीता रोज कुजुर, अभिभावक प्रतिनिधि श्री सुनील सिंह, श्री सुरेश दास हैं । सरकार द्वारा मनोनीत श्रीमती अरुन्धती चौधरी हैं ।

इस समय विद्यालय में लगभग १००० छात्र एवं १९ अध्यापक हैं । श्री राजीव सरकार टीचर इन्चार्ज हैं ।

| माध्यमिक परीक्षा - २०१९ | उच्च माध्यमिक परीक्षा - २०१९ |
|---|---|
| कुल छात्र - ६० | कुल छात्र - २०३ |
| उर्त्तीण छात्र - ५६ | उर्त्तीण छात्र - १५४ |
| पास प्रतिशत - ९३.३३% | उर्त्तीण प्रतिशत - ७६% |
| सर्वोच्च अंक - ५७२ | प्रथम श्रेणी - ३९ छात्र |
| छात्र का नाम - राहुल शर्मा | सर्वोच्च अंक - ४३० - विकास साव (कॉमर्स) |

## रघुमल आर्य विद्यालय (प्राथमिक विभाग)

प्राथमिक विभाग में इस समय लगभग ४०० छात्र एवं ८ अध्यापक हैं । विद्यालय ७४, आमहर्स्ट रो में दिन के समय एवं ३३ सी, मदन मित्र लेन में प्रातः चलता है । माध्यमिक एवं प्राथमिक दोनों विभाग को सरकारी सहायता प्राप्त हैं । दोनों विभाग में वैदिक धर्म की शिक्षा दी जाती है । प्राथमिक विभाग के प्रबन्ध कार्यकारिणी के अध्यक्ष—श्री ध्रुवचन्द जायसवाल, मन्त्री श्री दीपक आर्य सदस्य—श्री मदन लाल सेठ, श्री राजेन्द्र प्रसाद जायसवाल, प्रधानाध्यापक—श्री सुदीप मोहन्ता शिक्षक प्रतिनिधि—श्री सियाराम तिवारी, अभिभावक प्रतिनिधि श्री अजित कुमार शर्मा, श्रीमती गुंजा चौरसिया, वार्ड काउन्सिलर—श्रीमती मीनाक्षी गुप्ता हैं ।

## आर्य विद्यालय ट्रस्ट

विद्यालय का वर्तमान भवन जो ३३, सी, मदन मित्र लेन में हैं, उसको इस स्वरूप में लाने का श्रेय जहाँ आर्य विद्यालय ट्रस्ट के उत्साही सदस्यों को है वहीं इसमें रघुमल चैरिटी ट्रस्ट के आदर्श दान का बड़ा महत्व है, जो सेठ किशनलाल पोद्दार की सूझ-बूझ एवं दूरदर्शिता से सम्भव हो सका था। आर्य विद्यालय ट्रस्ट के वर्तमान ट्रस्टी हैं — (१) श्री सुबीर पोद्दार (२) श्री रवि पोद्दार, (३) श्री श्रीराम आर्य, (४) श्री राजेन्द्र प्रसाद जायसवाल, (५) श्री दीपक आर्य, (६) श्री अमर सिंह सैनी (७) श्री अनिरुद्ध पोद्दार, (८) श्री मनीराम आर्य (९) श्री राजीव चमड़िया ।

## आर्य महिला शिक्षा मण्डल ट्रस्ट

आर्य महिला शिक्षा मण्डल ट्रस्ट कलकत्ता की स्थापना आर्य कन्या विद्यालय की उन्नति के लिये तथा महिलाओं में बहुविधि शिक्षा के प्रचार हेतु किया गया था । इस ट्रस्ट की रजिस्ट्री २५ सितम्बर १९३६ ई० में हुई थी । इस ट्रस्ट का मुख्य उद्देश्य आर्य कन्या विद्यालय को अच्छी तरह संचालित करना है । आरम्भ में इस ट्रस्ट के निर्माण में प्रमुख व्यक्ति थे -

१. सर छाजूराम जी चौधरी, २. रायबहादुर रलाराम, ३. सेठ जुगल किशोर बिड़ला, ४. सेठ नागरमल मोदी, ५. सेठ दीपचन्द्र पोद्दार, ६. लाला हंसराज गुप्त, एम० ए० वी० एल०, ७. श्री हर गोविन्द आदि ।

वर्तमान में इस ट्रस्ट के आजीवन ट्रस्टी इस प्रकार हैं —

१. श्री श्रीराम आर्य, २. श्री राजेन्द्र प्रसाद जायसवाल, ३. श्री अच्छेलाल सेठ, ४. श्री गजानन्द आर्य, ५. श्री ओम प्रकाश मस्करा, ६. श्री दीपक आर्य, ७. श्री वृजमोहन गाड़ोदिया, ८. श्री मनीराम आर्य, ९. श्री ध्रुवचन्द्र जायसवाल ।

आर्य महिला शिक्षा मण्डल ट्रस्ट के प्रधान श्री श्रीराम आर्य, मन्त्री श्री अच्छेलाल सेठ, कोषाध्यक्ष श्री दीपक आर्य हैं ।

## आर्य समाज कलकत्ता द्वारा वर्ष भर आयोजित किये गये कार्यक्रमों की सूची

**(१) आध्यात्मिक महिला सत्संग :-** आर्य स्त्री समाज कलकत्ता के तत्वाधान में ११ अप्रैल से १५ अप्रैल पर्यन्त अपराह्न ३-०० बजे से ५-०० बजे तक भरतपुर राजस्थान से पधारे वैदिक विद्वान् आचार्य देशराज जी द्वारा सम्पन्न हुआ । इस कार्यक्रम का उद्घाटन आर्य कन्या महाविद्यालय की टीचर इन-चार्ज श्रीमती लिपिका आदित्य जी के द्वारा दीप प्रज्जवलित कर की गई ।

**(२) आम पन्ना एवं लाल चना का वितरण :-** पं० नचिकेता जी प्रेरणा से आर्य स्त्री समाज की ओर से मई महीने के भीषण गर्मी में २३ मई को आम पन्ना एवं लाल चना लगभग ६०० लोगों में श्रीमती सुषमा अग्रवाल जी के सहयोग से वितरित किया गया । ३० मई को भी श्रीमती संतोष गोयल के सहयोग से लगभग ७५० लोगों को गुलाब शर्बत वितरण किया गया । कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए स्त्री समाज एवं आर्य समाज कलकत्ता के सदस्यों का सहयोग रहा ।

(३) बंगाल में चतुर्थ आर्य पुरोहित प्रशिक्षण शिविर :- आर्य समाज कलकत्ता, आर्य समाज बड़ाबाजार, आर्य समाज हावड़ा, भवानीपुर आर्य स्त्री समाज, आर्य समाज आसनसोल द्वारा स्व० पं० ओमप्रकाश विद्यावाचस्पति की स्मृति में एक विशाल आर्य पुरोहित प्रशिक्षण शिविर का आयोजन आर्य समाज कलकत्ता, १९ विधान सरणी, कोलकाता-६ में ३ जून से १० जून २०१८ तक किया गया। शिविर में बंगाल के ६५ आर्यसमाजों के ९४ प्रशिक्षणार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। श्री सुधीर अहुजा, श्रीमती सुषमा गोयल एवं श्री श्रद्धानन्दजी अग्रवाल का विशेष सहयोग रहा। इस कार्यक्रम की संयोजिका श्रीमती अर्चना शास्त्री जी रहीं। स्थानीय बंग विद्वानों में श्री पं० वेद प्रकाश शास्त्री, पं० अर्पूव देव शर्मा, पं० सतीश मंडल, पं० मधुसूदन जी शास्त्री का भी सहयोग रहा।

(४) श्रावणी उपाकर्म एवं वेद प्रचार सप्ताह :- प्रति वर्ष की भाँति इस वर्ष भी आर्य समाज कलकत्ता के सभागार में श्रावणी पर्व एवं वेद प्रचार सप्ताह २६ अगस्त से २ सितम्बर २०१८ पर्यन्त हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर प्रतिदिन प्रातः ७ बजे से ९.३० बजे तक अथर्ववेदे पारायण यज्ञ आचार्य डॉ० वेदपाल जी (मेरठ) के ब्रह्मत्व में सम्पन्न हुआ। ऋत्विक्गण के रूप में वेद पाठ कर रहे थे - पं० आत्मानन्द शास्त्री, पं नचिकेता भट्टाचार्य, पं० देव नारायण तिवारी, पं० वेद प्रकाश शास्त्री, पं० कृष्णदेव मिश्र, पं० योगेशराज उपाध्याय, एवं पंडिता अर्चना शास्त्री। प्रथम दिन श्रावणी पर्व के अवसर पर यज्ञ पर उपस्थित समस्त आर्य जनों ने नवीन यज्ञोपवीत धारण किया। सायंकाल प्रतिदिन ७ बजे से ७.३० बजे तक यज्ञ, ७.३० बजे से ८ बजे तक वेदवीर जी द्वारा भजन एवं ८ बजे से ८.४५ बजे तक आचार्य डॉ० वेदपाल जी द्वारा वेद कथा के अन्तर्गत व्याख्यान एवं प्रवचन आयोजित हुये।

२ सितम्बर २०१८ को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी सायंकाल ७ बजे से ९ बजे तक आर्य समाज कलकत्ता के सभागार में मनाया गया जिसमें विवेक जायसवाल, पं० देवव्रत तिवारी, श्री योगेन्द्र दामाणी, पं० देवनारायण तिवारी, श्री मनीराम आर्य जी ने भी अपने विचार प्रस्तुत किये।

(५) वेद संगोष्ठी :- २ सितम्बर २०१८ को प्रातः ११ बजे आचार्य डा० वेदपाल जी (मेरठ) की अध्यक्षता में एक वेद संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसका विषय था - 'वर्तमान समय में वेदों की प्रासंगिता।' इस संगोष्ठी में कलकत्ता विश्वविद्यालय से संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो० सत्यजीत लाएक तथा दर्शन विषय के प्राध्यापक प्रो० हरिदास सरकार, रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय से संस्कृत विभाग के प्राध्यापक प्रो० तारकनाथ अधिकारी, यादवपुर विश्वविद्यालय से संस्कृत विभाग के अवकाश प्राप्त प्राध्यापक प्रो० प्रो० प्रद्युत कुमार दत्त, सिधो कानो विरसा, वि० वि० पुरुलिया से डा० प्रताप चन्द्र जी ने अंश ग्रहण किया।

(६) कलकत्ता विश्वविद्यालय में आचार्य डा० वेदपाल जी:- २८ अगस्त २०१८ को अपराह्न ३ बजे से आचार्य डा० वेदपाल जी का संस्कृत और वेद विषय पर एक व्याख्यान कलकत्ता विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग में आयोजित हुआ जिसमे संस्कृत विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो० सत्यजीत लाएक, डा० मोऊदासगुप्ता, प्रो० हरिदास सरकार एवं अन्य विभागीय प्राध्यापकों के साथ

स्नातक एवं स्नातकोत्तर में अध्ययनरत ५० से ६० छात्र-छात्राएँ एवं अनेक शोधार्थी छात्र उपस्थित थे। इस अवसर पर आचार्य डा० वेदपाल जी ने संस्कृत साहित्य और वैदिक वाङ्मय की चर्चा करते हुए कहा कि मैक्समूलर, ग्रिफिथ आदि का भाष्य रूढ़िगत अर्थ लिए हुए है जो इसकी व्यापकता को सीमित करते हैं । वेदों में प्रयुक्त शब्दों के यौगिक अर्थ हैं । वेदों को समझने के लिए निरुक्त, निघन्टु, यास्क आदि का अध्ययन आवश्यक है । इसमें महर्षि दयानन्द का वेद-भाष्य अधिक सहायक है । छात्राओं को सम्बोधित करते हुए आचार्य जी ने कहा कि आज ये बेटियाँ जो वेदों का अध्ययन कर रही हैं यह महर्षि दयानन्द जी की कृपा ही है । विभाग के प्राध्यापकों और छात्र-छात्राओं ने वेद सम्बन्धित अनेकों प्रश्न आचार्य जी के सम्मुख उपस्थित किये जिसका आचार्य जी ने विद्वतापूर्ण, तार्किक, संतोषजनक व प्रामाणिक समाधान प्रस्तुत किया, जिससे प्राध्यापक और छात्र-छात्राएँ भी समाधान से सन्तुष्ट हुए ।

इस प्रकार कार्यक्रम सकारात्मक, सन्तोषप्रद व उत्साहवर्धक रहा ।

**((७) अन्तर्विद्यालय देश भक्ति गीत प्रतियोगिता** :- आर्य समाज कलकत्ता द्वारा आयोजित ३२वाँ अन्तर्विद्यालय देश भक्ति गीत प्रतियोगिता का आयोजन १९ अगस्त २०१८ को प्रातः १० बजे से लाला लाजपत राय जी की स्मृति में किया गया। इसमें महानगर के सुप्रसिद्ध ११ विद्यालयों ने भाग लिया । जिसमें प्रथम सेन्ट्रल मॉडल स्कूल की रायमा कर्मकार, द्वितीय श्री शिक्षायतन की उपमा प्रधान तथा तृतीय महेश्वरी विद्यालय के सुभम कुमार उपाध्याय रहे । कार्यक्रम के संयोजक विवेक सेठ एवं कार्यक्रम के संचालक श्री अशोक सिंह थे । कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी युवा साथियों एवं विशेष कर श्री जुगल किशोर गोयल जी का योगदान था ।

**(८) रक्तदान शिविर** :- आर्य समाज कलकत्ता (युवा-शाखा) द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन १८ नवम्बर २०१८ को आर्य समाज कलकत्ता के सभागार में हुआ, जिनमें कुल ४५ लोगों ने रक्तदान किया । प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी यह शिविर अमर बलिदानी सरदार भगत सिंह को समर्पित किया गया । युवाओं का उत्साह बढ़ाने के लिए अंचल की एम० एल० ए० श्रीमती स्मिता बक्सी, पार्षद श्रीमती साधना बोस, समाज सेवी श्री अरुण जायसवाल जी उपस्थित थे । शिविर को सफल बनाने में भी सभी युवा साथियों का सहयोग रहा। रक्तदान के शिविर सचिव सत्येन्द्र जायसवाल, शिविर प्रभारी धीरज अग्रहरि थे ।

**(९) दुर्गापूजा पर प्याऊ एवं आर्ष साहित्य स्टॉल** :- बंगाल में दुर्गापूजा प्रमुख त्यौहार के रूप में मनाया जाता है । इस अवसर पर आर्य समाज कलकत्ता द्वारा १६,१७ और १८ अक्टूबर २०१८ को पूजा भ्रमणार्थियों के लिए स्वच्छ जलछत्र (प्याऊ) का स्टॉल भी लगाया गया वहीं वैदिक प्रचार-प्रसार हेतु वैदिक साहित्य का स्टॉल लगाया गया । जिसमें शुद्ध पेय जल का वितरण किया गया । जहाँ साहित्य प्रेमियों एवं धर्म जिज्ञासुओं ने अच्छी संख्या में वैदिक साहित्य को क्रय किया ।

**(१०) विजय दशमी पर्व** :- आर्य समाज कलकत्ता के सभागार में रविवार दिनांक १९ अक्टूबर २०१८ को रविवारीय सत्संग के अवसर पर विजय दशमी पर्व मनाया गया । इस अवसर पर यज्ञ, भजन के अतिरिक्त, पं० योगेशराज उपाध्याय, श्री मनीराम जी आर्य, पं० देवव्रत तिवारी,

पं० देवनारायण तिवारी, आर्य समाज कलकत्ता के पूर्व प्रधान श्री श्रीराम आर्य जी ने विजय दशमी पर्व की महत्ता तथा मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम के जीवन में इस पर्व का महत्व एवं विजयदशमी पर्व मनाने की परम्परा पर विस्तार से इन सभी विद्वानों ने अपने-अपने विचार प्रस्तुत किये ।

**(११) दीपावली पर्व एवं महर्षि निर्वाण दिवस** :- दीपावली पर्व एवं महर्षि निर्वाण दिवस दिनांक ७-११-१८ को मनाया गया ।

**(१२) आर्यसमाज कलकत्ता का १३३ वाँ वार्षिकोत्सव** :- आर्य समाज कलकत्ता का १३३वाँ वार्षिकोत्सव शनिवार २२ दिसम्बर से रविवार ३० दिसम्बर २०१८ पर्यन्त स्थानीय हृषीकेश पार्क (आम्हर्स्ट स्ट्रीट) में उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ । आमन्त्रित विद्वत्जन जिन्होंने अपनी उपस्थिति से उत्सव को गरिमा प्रदान की वे थे - डा० सुरेन्द्र कुमार जी (गुरूग्राम, हरियाणा), पं० वीरेन्द्र शास्त्री (सहारनपुर), भजनोपदेशक श्री नरेश दत्त जी (बिजनौर) ।

इस अवसर पर प्रतिदिन प्रात: ७.३० बजे से ९.३० बजे तक आचार्य डा० सुरेन्द्र कुमार जी के ब्रह्मत्व में अथर्ववेद पारायण यज्ञ सम्पन्न हुआ । ऋत्विकगण के रूप में वेदपाठ कर रहे थे-पं० आत्मानन्द शास्त्री, पं० देवनारायण तिवारी, पं० वेद प्रकाश शास्त्री, पं० योगेशराज उपाध्याय, पं० कृष्णदेव जी मिश्र एवं पंडिता अर्चना शास्त्री । प्रतिदिन प्रात: ९.३० बजे से १०.३० बजे तक भजन व उपदेश एवं १०.३० बजे से १२ बजे तक एवं सायं ४ बजे से ६ बजे बंग भाषा में भजन व प्रवचन के कार्यक्रम सम्पन्न हुए । इसके अतिरिक्त प्रतिदिन सायं ६ बजे से ९.३० बजे तक सन्ध्या भजन, व्याख्यान व स्वामी श्रद्धानन्द बलिदान, राष्ट्र रक्षा सम्मेलन, बाल सत्संग, आर्य संस्कृति सम्मेलन, महिला सम्मेलन, गौरक्षा सम्मेलन तथा वेद सम्मेलन प्रमुख रूप से आयोजित किये गये ।

आर्य समाज कलकत्ता द्वारा संचालित आर्य कन्या महाविद्यालय एवं रघुमल आर्य विद्यालय के छात्र व छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी उक्त अवसर पर प्रस्तुत किया गया ।

शनिवार २२ दिसम्बर को वार्षिकोत्सव का उद्घाटन प्रात: यज्ञ के उपरान्त 'ओ३म्' ध्वजोत्तोलन वैदिक विद्वान् आचार्य डा० सुरेन्द्र कुमार जी के कर-कमलों द्वारा सम्पन्न हुआ । ध्वजगीत आर्य कन्या महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत किया गया । विद्यालय की छात्राओं द्वारा बैण्ड ध्वनि एवं मार्च पास्ट किया गया ।

अपराह्न २ बजे से ५ बजे तक एक विशाल एवं सुसज्जित शोभा-यात्रा आर्य समाज कलकता, १९, विधान सरणी, कोलकाता-६ से निकाली गई जो नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई उत्सव-स्थल हृषीकेश पार्क में समाप्त हुयी । शनिवार सायं ६ बजे से ७ बजे तक श्रीमती मंजू बनर्जी एवं उनके सहयोगियों द्वारा योगासन प्रस्तुत किया गया ।

**(१३) अभिनन्दन समारोह:-** शुक्रवार २८ दिसम्बर २०१८ को सायंकालीन सत्र में सायं ६.३० बजे से ७.३० बजे के मध्य अमर स्वामी प्रकाशन विभाग के प्रतिष्ठाता श्री लाजपत

राय अग्रवाल जी का सार्वजनिक अभिनन्दन किया गया । इस अवसर पर शाल, चन्दन, माला, राशि भेंट एवं अभिनन्दन पत्र श्री लाजपत राय जी अग्रवाल को समर्पित किया गया । इस अवसर पर उनकी पुत्री श्रीमती श्वेता अग्रवाल तथा दामाद श्री अतुल आर्य जी भी उपस्थित थे । आदरणीय श्री लाजपत राय जी अग्रवाल द्वारा किये गये निर्भीक साहित्य प्रकाशन की वक्ताओं ने भूरि-भूरि प्रशंसा की । विभिन्न आर्य समाजों के प्रतिनिधियों ने भी माल्यार्पण द्वारा आपका अभिनन्दन किया ।

शनिवार २९ दिसम्बर २०१८ को सायं ७ बजे से ८ बजे के मध्य आर्य समाज बड़ाबाजार के पूर्व प्रधान, लेखक एवं कवि श्री खुशहाल चन्द्र आर्य जी का सार्वजनिक अभिनन्दन किया गया । इस अवसर पर आर्य समाज कलकत्ता द्वारा शाल ,चन्दन, प्रशस्ति पत्र एवं राशि द्वारा सम्मानित किया गया । आर्यसमाज कलकत्ता के अतिरिक्त आर्यसमाज बड़ाबाजार, आर्यसमाज हावड़ा तथा उपनगरीय क्षेत्रों से पधारे आर्यसमाज के प्रतिनिधियों ने श्री खुशहाल चन्द्र आर्य जी को सम्मानित किया ।

दिनांक ३० दिसम्बर २०१८ को उत्सव के अन्तिम दिवस पर नव दिवसीय अथर्ववेद पारायण यज्ञ की पूर्णाहुति सम्पन्न हुयी । तत्पश्चात् कोलकाता की समस्त समाजों का सामूहिक सत्संग एवं ऋषि लंगर का आयोजन हुआ । गुरुकुल ललुआ गेड़िया की ब्रह्मचारिणियों द्वारा व्यायाम व शौर्य प्रदर्शन किया गया । अन्त में मन्त्री श्री मदनलाल सेठ जी ने अपने समस्त सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया ।

**(१४) प्रकाशन :-** इस वर्ष ११०० पीस हिन्दू संगठन का प्रकाशन बंगला भाषा में किया गया। इस पुस्तक को छपवाने में श्री खुशहाल चन्द्र जी का सहयोग प्राप्त प्राप्त हुआ ।

**(१५) निःशुल्क नेत्र शल्य चिकित्सा शिविर :-** युवा शाखा द्वारा आयोजित ३१वाँ निःशुल्क नेत्र शल्य चिकित्सा शिविर रविवार दिनांक १३-०१-२०१९ को सम्पन्न हुआ । जिसमें कुल ४० असहाय, निराश्रित एवं निर्धन व्यक्तियों के मोतियाविन्द का आपरेशन नगर की सुप्रसिद्ध नेत्र सर्जन डा० रजनी सर्राफ एवं उनकी मेडिकल टीम के सान्निध्य में उनके चेम्बर ४ बी, लिटिल रसल स्ट्रीट में सम्पन्न हुआ। शिविर सचिव उदय सेठ एवं शिविर इन्चार्ज कृष्णा जायसवाल थे । रोगियों को निःशुल्क दवा एवं चश्मा भी वितरण किया गया ।

**(१६) गंगासागर मेले में वेद प्रचार :-** गंगासागर मेले में देश के विभिन्न भागों से आए हुए तीर्थ यात्रियों के बीच में कोलकाता के बाबूघाट पर स्थित आउटराम घाट पर दिनांक १० जनवरी से १७ जनवरी २०१९ तक प्रचार का कार्य हुआ ।

**(१७) पुस्तक मेले में प्रचार :-** बंगाल में वैदिक साहित्य का प्रचार करने हेतु कोलकाता शहर में आयोजित (४३वाँ) अन्तर्राष्ट्रीय पुस्तक मेला दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा एवं आर्य समाज बड़ाबाजार, आर्य समाज आसंनसोल के प्रयासों से वैदिक साहित्य का स्टॉल नं० ५१७ में दिनांक ३०-०१-१९ से ११-०२-१९ तक लगाया गया । इस कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री सुरेश कुमार अग्रवाल, श्री घनश्याम जी का विशेष योगदान रहा ।

(१८) आर्य समाज कलकत्ता द्वारा देवघर एवं मालदा में पुस्तक मेले का आयोजन :- २३ फरवरी १९ से ४ मार्च १९ तक लगाया गया । इस कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री सुरेश कुमार अग्रवाल, श्री घनश्याम जी का विशेष योगदान रहा ।

देवघर में आयोजित पुस्तक मेला दिनांक ११ जनवरी से ३० जनवरी २०१९, स्थान - आर मित्रा स्कूल में पहली बार आर्य समाज का स्टाल नं ३६, हाल नं- १ में आर्य समाज कलकत्ता, आर्य समाज बड़ाबाजार, आर्य समाज आसनसोल, आर्य समाज हावड़ा के सहयोग से लगाया गया। गुरुकुल गौतमनगर के विद्यार्थी श्री भवेशजी एवं उनके साथियों ने और आर्य प्रतिनिधि सभा झारखण्ड के मंत्री श्री पूरनचंद जी आर्य ने प्रचार में सहयोग किया ।

खड़गपुर (प० बं०) पुस्तक मेले में आर्य समाज के साहित्य का स्टाल दिनांक ५ जनवरी से १३ जनवरी तक लगाया गया । आर्य समाज गोपाल नगर के संयुक्त प्रयास से इस कार्यक्रम का आयोजन हुआ ।

मालदा टाउन में आयोजित पुस्तक मेला दिनांक १६ जनवरी से २३ जनवरी २०११ स्थान सदर घाट बड़ा शिव मंदिर में आर्य समाज कलकत्ता, आर्य समाज बड़ाबाजार, आर्य समाज आसनसोल, आर्य समाज हावड़ा के सहयोग से स्टाल न १४० मालदा में पहली बार पुस्तक मेले में आर्य समाज का स्टाल लगाया गया । लगभग रु० ११००० मूल्य की आर्य साहित्य का प्रचार हुआ। मेले में सत्यार्थ प्रकाश, संस्कार विधि, ऋग्वेदादि भाष्य भूमिका, ये तीनों पुस्तकें तीन दिन पहले ही समाप्त हो गयी । बांग्ला भाषा में आर्य साहित्य की ज्यादा मांग रही । पुस्तक मेले में मालदा आर्य समाज के सभी सदस्यों का सहयोग रहा । विशेषकर निहारमंडल, बिप्लब मंडल का सहयोग रहा ।

**(१९) बसन्तोत्सव** :- रविवार १० फरवरी २०१९ को आर्य समाज कलकत्ता के सभागार में सत्संग के उपरान्त बसन्त पंचमी का उत्सव मनाया गया । इसमें श्री पं० देवनारायण जी, श्री कृष्ण देव जी, पं० योगेशराज उपाध्याय जी, श्री मनीराम आर्य जी ने इस पर्व की महता एवं उपयोगिता पर अपने विचार प्रस्तुत किये, तत्पश्चात् प्रीति भोज का भी आयोजन हुआ ।

**(२०) महर्षि महिमा पर्व** :- कोलकाता एवं हावड़ा की समस्त आर्य समाजों के तत्वावधान व आर्य समाज कलकत्ता के संयोजकत्व में आर्य समाज कलकत्ता के सभागार में फाल्गुन कृष्ण दशमी से फाल्गुन कृष्ण त्रयोदशी तदनुसार १ मार्च से ४ मार्च २०१९ पर्यन्त **'महर्षि महिमा पर्व'** का आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम में उत्तराखण्ड आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान व सुयोग्य वैदिक विद्वान् डा० विनय विद्यालंकार ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम को गरिमा प्रदान की । बुलन्दशहर से पधारे हुए भजनोपदेशक श्री ओमवीर आर्य ने भी अपनी सेवाएं प्रदान की ।

१ मार्च को सायं ६.३० बजे से यज्ञ के उपरान्त महर्षि स्वामी दयानन्द सरस्वती जी की जन्म जयन्ती मनाई गयी । २ मार्च व ३ मार्च को महर्षि स्वामी दयानन्द जी के कार्यों व समाज पर उसके प्रभाव की विस्तृत रूप से आचार्य डा० विनय विद्यालंकार जी ने चर्चा की । ४ मार्च को सायं ४.३० बजे से आर्य समाज कलकत्ता के छत पर बहुकुण्डीय पारिवारिक यज्ञ का आयोजन हुआ जिसमें कोलकाता एवं अंचल के आर्य परिवार अपने-अपने यज्ञ कुण्ड व यज्ञ सामग्री के साथ उपस्थित हुए । तदुपरान्त आयोजित सभा में विभिन्न वक्ताओं ने ऋषि बोधोत्सव के अवसर पर अपने-अपने विचार

व्यक्त किये । भजनोपदेशक श्री ओमवीर आर्य व श्रीमती सुषमा गोयल के भजन के उपरान्त आचार्य राहुल देव शास्त्री, पं० वेदभानु शास्त्री तथा आचार्य डा० विनय विद्यालंकार जी ने इस अवसर पर अपने विचारों को प्रस्तुत किया । कार्यक्रम के अन्त में प्रीतिभोज का भी आयोजन हुआ ।

**(२१) वासन्तीय नवसस्येष्टि यज्ञ** - आर्यसमाज कलकता में २० मार्च २०१९ को सायं ४ बजे से नवसस्येष्टि यज्ञ (होलिकोत्सव) मनाया गया । जिसमें प० देवनारायण तिवारी जी द्वारा नवसस्येष्टि यज्ञ सम्पन्न करवाया गया । तदुपरान्त आयोजित सभा में प० कृष्णदेव शास्त्री, पं० योगेशराज उपाध्याय, श्री श्रीराम आर्य तथा पं० देवनारायण तिवारी जी द्वारा होलिकोत्सव के वास्तविक स्वरूप का विशद वर्णन किया तथा कविता पाठ भी हुए ।

**(२२) शुद्धि, तिलक एवं विवाह संस्कार** :- इस वर्ष आर्य समाज मन्दिर में हमारे योग्य पुरोहितों द्वारा १५ शुद्धि संस्कार, ७ तिलक, ५९ विवाह संस्कार, १ सामाजिक कार्यक्रम, ३६ शांति यज्ञ एवं १ उपनयन संस्कार सम्पन्न कराये गये।

## शोक-प्रस्ताव

(अप्रैल २०१८ से मार्च २०१९ तक)

१. श्री राम नारायण सैनी ।
२. श्रीमती बेला देवी जायसवाल ।
३. श्रीमती विद्या देवी ।
४. श्रीमती रामावती आर्या ।
५. श्रीमती शीला सिंह ।
६. श्रीमती सरोजिनी शुक्ला ।
७. श्री अटल बिहारी बाजपेयी ।
८. डा० भवानी लाल भारतीय ।
९. श्रीमती शारदा देवी उपाध्याय ।
१०. श्री सत्यनारायण गुप्ता ।
११. श्रीमती मालती देवी अग्रहरि ।
१२. श्री आशीष राय ।

# स्थिर निधियाँ

## बैंक ऑफ बड़ौदा, कालेज स्ट्रीट शाखा, कोलकाता-६

विद्यार्थी सहायता, महिला सहायता, अतिथि सत्कार, वार्षिकोत्सव और वैदिक विद्वानों आदि के सहायतार्थ निम्न दानीदाताओं से दान स्वरूप आर्य समाज कलकत्ता को सहयोग मिला जिसके ब्याज से प्रति वर्ष सहायता की जाती है।

**(१) वैदिक प्रचारक सहायता कोषः**

| | रु० |
|---|---|
| १. आर्य समाज कलकत्ता | २,००,०००/- |
| २. स्व० देवी प्रसाद मस्करा | ११,०००/- |
| ३. श्रीमती शान्ति देवी जायसवाल | ५,०००/- |
| ४. श्रीमती एवं श्री रामधनी जायसवाल | ५,१००/- |
| ५. श्रीमती वेदवती शास्त्री एवं श्री कुशलदेव शास्त्री | १००,०००/- |
| | ३,२१,१००/- |

**(२) प्रकाशन कोषः-**

समाज में नई पुस्तकों की छपाई आदि के लिए आर्य समाज कलकत्ता ने २,७५,५००/- का स्थिर निधि करवाया है जिसके ब्याज की राशि से प्रकाशन का कार्य चल रहा है। निम्न दानी दाताओं का सहयोग है।

| | |
|---|---|
| आर्य समाज कलकत्ता | २,५०,०००/- |
| श्रीमती रामदेवी गुप्त | १०,५००/- |
| श्री रमेशचन्द गुप्त | ५०००/- |
| मास्टर करण गुप्त | ५०००/- |
| मास्टर सिद्धार्थ गुप्त | ५०००/- |
| | २,७५,५००/- |

**(३) दयानन्द धर्मार्थ औषधालय कोषः-**

निम्न दानी दाताओं ने अपना सहयोग देकर औषधालय को सुचारू रूप से चलाने का व्रत लिया है। जिसके ब्याज से होमियोपैथिक, आयुर्वेदिक, नेत्र परीक्षण, आदि चल रहे हैं।

| | |
|---|---|
| १. श्रीमती शान्ति प्रसाद | ५,०००/- |
| २. श्रीमती हौसला देवी तिवारी | २०,०००/- |
| ३. श्री सत्यदेव चोपड़ा/श्रीमती विजय चोपड़ा | ५,०००/- |
| ४. श्री शिवनन्दन प्रसाद | १५,०००/- |
| ५. श्री के०सी० सिंह | २,५००/- |
| ६. श्री छबील दास सैनी | ५,०००/- |
| ७. श्री विजय कुमार सैनी | १०,०००/- |
| ८. श्रीमती एवं श्री लक्ष्मण सिंह | १०,०००/- |
| ९. श्रीमती कमला अरोड़ा | ५,०००/- |
| १०. श्रीमती शान्ति देवी गुप्ता | ५,१००/- |
| ११. श्री दीपक गोयल | ५,०००/- |
| १२. आर्य समाज कलकत्ता | १५,१००/- |
| १३. श्री आशा राम जायसवाल | १०,०००/- |
| १४. सूरजमल घीया HUF | ५,१००/- |
| १५. श्रीमती जानकी देवी झा | ५,०००/- |
| १६. श्री प्रणव भट्टाचार्य | ५,०००/- |
| १७. श्रीमती गीतारानी जायसवाल | ११,०००/- |
| कुल योग | १,३८,८००/- |

**(४) गौरक्षा एवं गौसंवर्धन हेतु दान स्थिर निधि के लिए जिसके ब्याज से गोशाला एवं गुरुकुल के बच्चों की सहायता के लिए प्राप्त हुआ है।**

| | |
|---|---|
| १. श्री सतीश चन्द जायसवाल | ५०००/- |
| २. श्री बजरंगलाल, श्रीमती विजय लक्ष्मी अग्रवाल | ५०००/- |
| ३. श्रीमती उमा एवं महावीर प्रसाद गोयल | ५१००/- |
| ४. श्रीमती शान्ति देवी एवं श्री दीनदयाल गुप्ता | ५०००/- |
| ५. श्रीमती कमलादेवी एवं श्रीकमला प्र०जायसवाल | ५१००/- |
| ६. श्रीमती निधि एवं श्री योगेन्द्र दमानी | ५०००/- |
| ७. श्रीमती राजू देवी, श्री श्याम अवतार शर्मा | ५१००/- |
| ८. श्री कमला प्रसाद जायसवाल | ५१००/- |
| ९. ब्रह्मर्षि स्वामी ओमानन्द सरस्वती | ५०००/- |
| १०. श्री मोती लाल साव | ५०००/- |
| ११. श्रीमती प्रवीणा जायसवाल | ५०००/- |
| १२. श्री प्रमोद जायसवाल | ५०००/- |
| १३. श्रीमता चमेली देवी जायसवाल द्वारा स्व०रामवहाल जायसवाल की पुण्य स्मृति में | ११,००१/- |
| १४. श्रीमती सुनीता अग्रवाल, सीताराम अग्रवाल | ५,०००- |
| १५. श्रीमती नीलम सेठ एवं डा० अरविन्द सेठ | ५,००१/- |
| १६. श्रीमती सुधा आर्या | ५०००/- |
| १७. श्रीमती गीता जायसवाल एवं श्री राजेश जायसवाल | ५०००/- |
| १८. श्रीमती सन्तोष अनूप कुमार अगरवाल | ५,०००/- |
| १९. यौगिक संग | ५,०००/- |
| २०. श्रीमती सुशीला देवी साबू एवं श्री प्रभुदयाल साबू | ५,०००- |
| २१. श्रीमती शालिनी जायसवाल | ५,०००/- |
| २२. श्री सत्यप्रकाश जायसवाल | ५,०००/- |
| | १,१६,४०२/- |

**(५) पं० रमाकान्त उपाध्याय स्मृति कोष —**

श्री हरनारायण तापड़िया द्वारा ६०,०००/- का स्थिर निधि किया गया है जिसके ब्याज से आर्य कन्या महाविद्यालय, रघुमल आर्य विद्यालय एवं पं० रमाकान्त उपाध्याय के ग्राम या जिले में माध्यमिक या उच्च माध्यमिक परीक्षा में सर्वोच्च अंक पाने वाले छात्र/छात्रा को १०००/- प्रति छात्र/छात्रा कुल ५०००/- प्रति वर्ष देने का प्राबधान है।

**(६) स्वास्थ्य एवं जनकल्याण कोष :-**

इस कोष के लिए निम्न दाताओं का सहयोग हुआ है। सब राशि को मिलाकर एक स्थिर निधि बनवायी गयी है।

| | |
|---|---|
| १. आर्य समाज कलकत्ता | ६०,०००/- |
| २. श्री बद्री प्रसाद पोद्दार | ५०,०००/- |
| ३. श्री रामसुन्दर जायसवाल | ६,०००/- |
| ४. श्री रूपेश कुमार जायसवाल | २,५००/- |
| | १,१८,५००/- |

**(७) विद्यार्थी सहायता कोष :-**

इस कोष के लिए निम्न दाताओं का सहयोग प्राप्त हुआ जिससे सब मिलाकर १,६०,०००/- की एक स्थिर निधि बनाई गई जिसके ब्याज से जरूरतमंद विद्यार्थियों को सहायता दी जाती है।

| | |
|---|---|
| १. श्री नन्दलाल सेठ | ५,०००/- |
| २. श्री सीताराम आर्य | २१,०००/- |
| ३. श्रीमती पुष्पा देवी मल्होत्रा | ५,०००/- |
| ४. श्रीमती गंगा देवी जायसवाल | ५,०००/- |
| ५. श्री जगन्नाथ कोले | १५,०००/- |
| ६. श्री बनारसीदास अरोड़ा | ५,०००/- |
| ७. श्रीमती मायादेवी | ५,०००/- |
| ८. श्री राजाराम धनपति देवी जायसवाल | १०,०००/- |
| ९. श्री मेवालाल सुरेशचन्द | १०,०००/- |
| १०. श्री रूलिया राम गुप्त | ११,०००/- |
| ११. श्रीमती एवं श्री लक्ष्मण सिंह | ५,०००/- |
| १२. श्रीमती सुनीति देवी शर्मा | ५,०००/- |
| १३. श्रीमती विद्यावती सभरवाल | १५,०००/- |
| १४. श्रीमती विद्यावती नन्दगोपाल दत्त | १२,०००/- |
| १५. श्री शिवनन्दन प्रसाद | ५,०००/- |
| १६. श्रीमती सावित्री देवी जायसवाल | ५,०००/- |
| १७. श्रीमती सावित्री देवी अरोडा | ५,०००/- |
| १८. श्री सत्यनारायण गुलाबी देवी लाहोटी | ५,०००/- |
| १९. आर्य समाज कलकत्ता | १,०००/- |
| २०. श्रीमती उर्मिला जायसवाल | १०,०००/- |
| | १,६०,०००/- |

**(८) गुरुकुल सहायता कोष :-**

इस कोष के लिए निम्न दाताओं का सहयोग प्राप्त हुआ जिससे सब मिलाकर ३,१३,०००/- की एक स्थिर निधि बनाई गई जिसके ब्याज से गुरुकुलों को सहायता दी जाती है।

| | |
|---|---|
| (१) श्री शान्तिस्वरूप गुप्ता | ११,०००/- |
| (२) श्री सीताराम आर्य एवं केवलादेवी आर्य | १०,०००/- |
| (३) श्री के० सी० सिंह | ५,०००/- |
| (४) श्री मेवालाल पार्वती देवी जायसवाल | १०,०००/- |
| (५) श्री ब्रिजमोहन ओवेराय | ५,०००/- |
| (६) आर्य समाज कलकत्ता | १,९५,०००/- |
| (७) श्री प्रणव भट्टाचार्य | ५,०००/- |
| (८) श्री राजेन्द्र प्रसाद जायसवाल | ५१,०००/- |
| श्री राजेन्द्र प्रसाद जायसवाल | २१,०००/- |
| | ३,१३,०००/- |

**(९) वेद प्रचार कोष :-**

इस कोष में निम्न दाताओं का सहयोग रहा।

| | |
|---|---|
| १. श्री शिवनन्दन प्रसाद | १०,०००/- |
| २. श्री लब्बू राम सोदपुर | १,०००/- |
| ३. आर्य समाज कलकत्ता | २,००,०००/- |
| ४. स्व० माता ओमवती अग्रवाल | १,००,०००/- |
| ५. श्री प्रणव भट्टाचार्य | ५,०००/- |
| | ३,१६,०००/- |

**(१०) हवन यज्ञ कोष :-**

| | |
|---|---|
| १. श्रीमती कमला देवी आर्या | ११,०००/- |
| २. श्री मोतीलाल जायसवाल एवं श्रीमती यदूराजी देवी | १०,०००/- |
| ३. श्री अच्छेलाल सेठ | १५,०००/- |
| ४. श्री विजय कुमार सेठ | १५,०००/- |
| ५. श्री अजय सेठ | १०,०००/- |
| ६. श्री विकास सेठ | ११,०००/- |
| ७. श्री फूलचन्द जी आर्य | २५,०००/- |
| ८. श्रीमती रामदुलारी जायसवाल | ५,०००/- |
| ९. श्रीमती गुलाबी देवी लाहोटी | १,७१,०००/- |
| १० श्री प्रणव भट्टाचार्य | ५,०००/- |
| ११ श्री अच्छेलाल सेठ | २५,०००/- |
| | ३,०३,०००/- |

**(११) जल पेय कोष :-**

श्री रमेश दम्मानी ने प्याऊ को सुचारु रूप से चलाने के लिए ५०००/- की स्थिर निधि करवाया है।

(१२) अतिथि सत्कार कोष :-

समाज में आने वाले अतिथियों के सत्कार के लिए निम्न दाताओं द्वारा सहयोग राशि प्राप्त हुआ है कुल मिलाकर ३२,०००/ रु०की स्थिर निधि बनवायी गयी है ।

| | |
|---|---|
| १. श्रीमती सुखा देवी जायसवाल द्वारा श्री लक्ष्मीकान्त जायसवाल | २१,०००/- |
| २. श्रीमती कमला अरोड़ा | ६,०००/- |
| ३. आर्य समाज कलकत्ता | ५,०००/- |
| | ३२,०००/- |

(१३) वार्षिकोत्सव कोष :-

वार्षिकोत्सव के खर्च के लिए निम्न दाताओं ने सहयोग दिया जिससे कुल मिलाकर १,५५,०००/- रु० की स्थिर निधि बनवायी गयी ।

| | |
|---|---|
| १. श्रीमती सरोज आहुजा | १०,०००/- |
| २. श्री बनारसी दास अरोड़ा | १०,०००/- |
| ३. आर्य समाज कलकत्ता | १०,०००/- |
| ४. श्रीमती शकुन्तला अरोड़ा | ५,०००/- |
| ५. श्री जय सिंह कर्षन | ५,०००/- |
| ६. श्रीमती सिद्धेश्वरी देवी | ५,०००/- |
| ७. श्रीमती शान्ती देवी जायसवाल पत्नी-स्व॰ रामयश जायसवाल | ५,०००/- |
| ८. श्रीमती मधु अग्रवाल एवं श्री प्रशान्त अग्रवाल | १,००,०००/- |
| ९. श्री प्रणव महाचार्य | ५,०००/- |
| | १,५५,०००/- |

(१४) महिला कल्याण कोष :-

महिलाओं की सहायता के लिए निम्न दाताओं का सहयोग प्राप्त हुआ है । सब राशि को मिलाकर २,९२,१००/- रु० की स्थिर निधि बनाई गई है ।

| | |
|---|---|
| १. श्रीमती केकनवती बंसल | १,००,०००/- |
| २. आर्य समाज कलकत्ता | ५०,०००/- |
| ३. श्री ईश्वरचन्द्र आर्य | ११,०००/- |
| ४. श्रीमती महारानी जायसवाल | ५,१००/- |
| ५. श्रीमती गोमती देवी अग्रवाल | १००,०००/- |
| ६. श्रीमती शशि आर्या | २१,०००/- |
| ६. श्रीमती गीतारानी जायसवाल | ५,०००/- |
| | २,९२,१००/- |

१५. आर्य स्त्री समाज की सदस्याओं द्वारा प्राप्त राशि और इससे प्राप्त ब्याज की राशि से ३,१२,५६०/- की स्थिर निधि बनवायी गयी । जो सितम्बर २०२० तक का ब्याज जोड़कर ३,७९,२६३- हो जायेगा ।

For **V.D. GARG & CO.**
Chartered Accountants

॥ ओ३म् ॥

33/1, NETAJI SUBHAS ROAD
Marshall House, Suite No. 637/638
Kolkata - 700 001
(Off.) : 2230 5947
(Mob.) : 98310 18384

**FORM NO. 10B**
**(See Rule 17B)**

## AUDIT REPORT UNDER SECTION 12A (b) OF THE INCOME TAX ACT-1961 IN THE CASE OF CHARITABLE OR RELIGIOUS TRUST OR INSTITUTION

I have examined the Balance Sheet of **ARYA SAMAJ CALCUTTA** as at 31st March, 2019 and the Income and Expenditure Account for the year ended on that date which are in agreement with the books of account maintained by the Trust.

I have obtained all the information and explanation which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of the audit. In our opinion, proper books of account have been kept by the above named trust visited by us so far as appears from our examination of the books, subject to the comments given below :-

In our opinion and to the best of our information and according to the explanation given to us, the said accounts give a true and fair view :-

1. In the case of the Balance Sheet, of the state of affairs of the above named Trust, as at 31st March, 2019 and

2. In the case of the Income and Expenditure Account, of the surplus of its accounting year ending on 31st March, 2019.

The prescribed particulars are annexed hereto.

33/1, N.S. ROAD
KOLKATA - 700 001

DATE : THE 20TH DAY OF JUNE, 2019

For **V.D. GARG & CO.**
Chartered Accountants
**(VISHAMBER DAYAL GARG)**
Proprietor
MEM.NO. 050131

# ARYA SAMAJ CALCUTTA

19, BIDHAN SARANI, KOLKATA-700 006

## BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2019

| Liabilities | | Assets : | |
|---|---|---|---|
| *GENERAL FUND* | | *FIXED ASSETS* | 30,63,592-35 |
| | | (As per schedule No. 1) | |
| Balance as per last year | 65,42,197-13 | | |
| | | ADVANCES AMOUNT | 2,41,019-60 |
| ADD: Excess of income over | 6,87,534-29 | (As per schedule No. 2) | |
| expenditure | | CLOSING BALANCE | 14,66,140-00 |
| | 72,29,731-42 | As per schedule No. 3) | |
| CORPUS FUND | | SUNDRY DEPOSITS | 1,01,450-00 |
| | | (As per schedule No.4) | |
| As per last year | 7,84,000-00 | | |
| OTHER LIABILITIES | 4,96,153-00 | | |
| | | CASH AND BANK BALANCES | 36,99,682-47 |
| (As per schedule 6) | 62,000-00 | (As per schedule No. 5) | |
| Deposits : (As per schedule 7) | | | |
| | 85,71,884-42 | | 85,71,884-42 |

## INCOME & TAX COMPUTATION STATEMENT

ASST. YEAR 2019-2020

| | | |
|---|---|---|
| Total Income/Receipts | | 60,89,936-00 |
| Total Funds Applied | | |
| Less : Expenses during the period as per | | |
| Income and Expenditure Account | 54,02,401-00 | |
| Less : Depriciation | 1,51,635-00 | 52,50,766-00 |
| | | 8,39,170-00 |
| Less : Application of Funds (Assets Purchased) | | |
| CCTV | 12,095-00 | |
| Microphone | 3,900-00 | |
| Printer | 6,400-00 | 22,395-00 |
| | | 8,16,775-00 |
| Less: Exempted 15% of the total income | 9,13,490-00 Rest. to | 8,16,775-00 |
| | TAX | NIL |
| | Less: T.D.S. | 3,188-00 |
| | Refundable | 3,188-00 |

# ARYA SAMAJ CALCUTTA

19, BIDHAN SARANI, KOLKATA-700 006

## INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 2019

| Expenditure | | Income | |
|---|---|---|---|
| To Salaries | 1,90,604-00 | | |
| To Retirement Provision | 579-00 | By Monthly Subscription | 67,304-00 |
| To Printing & Stationery | 24,420-00 | | |
| To Telephone expenses | 3,338-00 | | |
| To Building upkeep expenses | 3,81,230-00 | | |
| To Postage & telegram expenses | 3,278-00 | By Donation | 58,03,997-00 |
| To Depreciation (As per schedule 1) | 1,51,635-00 | (As per schedule 11) | |
| ToTravelling & Conveyance expenses | 6,327-00 | | |
| To Miscelleaneous expenses | 68,297-00 | | |
| To Dayanand dharmarth aushadhalaya | 95,911-00 | | |
| To Vachanalaya expenses | 10,330-00 | | |
| To Vaidic Sahitya Prachar (As per schedule 8) | 4,45,794-00 | | |
| To Arya Sansar publication expenses | 1,04,448-00 | By Bank Interest | 2,18,634-60 |
| To Arya Gaurav Publication Exp. | 16,043-00 | (As per Schedule 12) | |
| To Student help expenses | 17,900-00 | | |
| To Festival expenses | 3,04,866-00 | | |
| To Atithi satkar expenses | 3,906-00 | | |
| To Dashansh expenses | 6,730-00 | | |
| To Atithishala expenses | 2,11,469-00 | | |
| To Repairing expenses | 43,542-00 | | |
| To Daily hawan yagna expenses | 1,70,313-00 | | |
| To Mahila kalyan expenses | 80,491-00 | | |
| To Ved prachar expenses | 2,55,299-20 | | |
| To Hawan samagree expenses (As per schedule 9) | 12,75,280-00 | | |
| To Bank charges | 1,028-00 | | |
| To Electric expenses | 2,82,129-11 | | |
| To Annual function (As per schedule 10) | 8,37,706-00 | | |
| To Gurukul sahayata expenses | 94,926-00 | | |
| To Annual Election | 11,389-00 | | |
| To Legal expenses | 1,770-00 | | |
| To Accounting Charges | 41,891-00 | | |
| To Bal Kalyan Exp. | 30,484-00 | | |
| To Desh Bhakti Geet Pratiyogita expenses | 25,000-00 | | |
| To Vaidic Pracharak Sahayata | 60,000-00 | | |
| To Blood Donation | 5,000-00 | | |
| To Book fair expenses | 66,716-00 | | |
| To Swasthya & Jankalyan Exp. | 10,000-00 | | |
| To Purohit Prashikshan Sivir Exp. | 37,318-00 | | |
| To Gaushala Exp. | 2,100-00 | | |
| To Free Eye Operation Camp | 19,256-00 | | |
| To Audit Fees | 3,658-00 | | |
| To Excess of income over expenditure being transferred to General Fund | 6,87,534-29 | | |
| | 60,89,935-60 | | 60,89,935-60 |

# ARYA SAMAJ CALCUTTA

19, BIDHAN SARANI, KOLKATA-700 006

## DETAILS OF SCHEDULES TO FINANCIAL YEAR 2018-2019

**SCHEDULE -1 FIXED ASSETS AND DEPRECIATION**

| ASSETS | RATES IN % | BALANCES AS ON 01.04.18 | ADDITION | TOTAL | DEDUCTIONS | DEPRECIATION DURING THE YR | BALANCE AS ON 31.03.19 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Building of | | | | | | | |
| Arya Samaj Mandir | – | 21.34.634.85 | – | 21.34.634.85 | – | – | 21.34.634.85 |
| Silver utensils | – | 930.29 | – | 930.29 | – | – | 930.29 |
| Other utensils | – | 43.454.21 | – | 43.454.21 | – | – | 43.454.21 |
| Lift | 15.00 | 2.25.824.00 | – | 2.25.824.00 | 33.874.00 | – | 1.91.950.00 |
| CCTV | 15.00 | 44.965.00 | 12095.00 | 57.060.00 | 8.559.00 | – | 48.501.00 |
| Air Condition Machine | 15.00 | 6.57.475.00 | - | 6.57.475.00 | 98.621.00 | – | 5.58.854.00 |
| Furniture | 10.00 | 37.287.00 | - | 37.287.00 | 3.729.00 | | 33.558.00 |
| Microphones | 10.00 | 18.379-00 | 3900-00 | 22.279-00 | 2.033.00 | | 20.246-00 |
| Typewriter | 10-00 | 263.00 | – | 263-00 | – | – | 263-00 |
| Tape recorder | 10.00 | 47.00 | – | 47.00 | – | – | 47.00 |
| Amplifier | 10.00 | 87.00 | – | 87.00 | – | | 87.00 |
| Fans | 10.00 | 2.044.00 | – | 2.044.00 | 204.00 | | 1.840.00 |
| Steel Almirah | 10.00 | 580.00 | – | 580.00 | 58.00 | | 522.00 |
| Grinding Machine | 10.00 | 15.566.00 | – | 15.566.00 | 1.556.00 | | 14.010.00 |
| Aquaguard | 10.00 | 4.085.00 | – | 4.085.00 | 408.00 | | 3.677-00 |
| Weighing Scale | 10.00 | 5.827.00 | – | 5.827.00 | 583.00 | | 5.244.00 |
| DVD Writer | 40.00 | 49.00 | – | 49.00 | – | – | 49.00 |
| Printer & Compu. | 40.00 | 1.335.00 | 6.400.00 | 7.735.00 | 1.814.00 | – | 5.921.00 |
| **Total** | | **31,92,832-35** | **22,395.00** | **32,15,227-35** | **1,51,635-00** | – | **30,63,592-35** |

**SCHEDULE NO. 2**

**Advance to staff**

| | |
|---|---|
| Shri Bhunesh Singh | 381-00 |

**OTHERS**

| | |
|---|---|
| I.T. Refundable | 4.275-00 |
| TDS (AY 2019-20) | 3.188-00 |
| Chunchun Mahto | 1.162-00 |
| Delhi Arya Pratinidhi Sabha | 5.291-00 |
| Arya Kanya Mahavidyalaya | 12.425-00 |
| Shri Vikash Gupta | 5.147-00 |
| Hitkari Prakashan | 64.523-00 |
| Outstanding Interest from CESC Ltd. | 4.032-60 |
| Ramesh Chand Agrawal | 595-00 |
| Sadhana Press | 40.000-00 |
| Sujit Sankar Koley | 1.00.000-00 |
| | 2,41,019-60 |

## SCHEDULE NO. 3 CLOSING STOCK

| | |
|---|---|
| Books | 13,13,300-00 |
| Hawan Samagree | 1.00.600-00 |
| Hawan kund | 9.400-00 |
| Poly Pack | 42.840-00 |
| | 14.66.140-00 |

## SCHEDULE NO.4 SUNDRY DEPOSITS

| | |
|---|---|
| CESC Ltd. Secrurity | 93.250-00 |
| Kalkata Municipal Corporation | 2,550-00 |
| Calcutta Telephons | 3.000-00 |
| Bharat Gas | 2.650-00 |
| | 1.01.450-00 |

## SCHEDULE NO.5 Cash & Bank Balances

**ALLAHABAD BANK**

College Street Market Branch

| | |
|---|---|
| Fixed Deposit | 4,23,732-00 |
| Saving Bank | 1,57,844-64 |
| A/c 50021426498 | |
| Current Account | |
| A/c. No. 20809463927 | 36,110-83 |

**Bank of Baroda**

| | |
|---|---|
| Fixed Deposit | 26,57,404-00 |
| Saving Bank | 3,59,544-80 |
| A/c No. 00250100008996 | |
| MICR Code-700012011 | |
| College Street Branch | |
| Cheque in hand | |
| Cash in Hand | 65,046-20 |
| | 36,99,682-47 |

## SCHEDULE NO. 6

**Other Liabilities**

| | |
|---|---|
| Om Stuti | 18.720-00 |
| Dutta Concern | 1.13.000-00 |
| CESC Limited | 25.170-00 |
| DAV Publication | 5.000-00 |
| Arya Stree Samaj Cal. | 3.21.397-00 |
| Kalindi Graphics | 12.000-00 |
| Parmeshwar Das | 258-00 |
| Jayant Mandal | 420-00 |
| Sudesh Kumar Jaiswal | 188-00 |
| | **4,96,153-00** |

## SCHEDULE NO. 7-DEPOSITS

| | |
|---|---|
| Security deposit | 62.000-00 |

## SCHEDULE NO 8 VAIDIC SAHITYA PRACHAR

| | |
|---|---|
| Opening Balance | 12.43.845-00 |
| ADD : Purchased | 4.33.915-00 |
| : Prakashan Exp. | 81,334-00 |
| | 17.59.094-00 |
| Less: Closing Stock | 13.13.300-00 |
| | 4,45,794-00 |

## SCHEDULE NO 9-HAWAN SAMAGREE EXP.

| | |
|---|---|
| Opening Balance | 2.43.196-00 |
| ADD : Purchased | 11.84.924-00 |
| Total. | 14,28,120-00 |
| Less: Closing Stock | 1.52.840-00 |
| | 12,75,280-00 |

**SCHEDULE NO.10-Annual function exp.**

| | |
|---|---|
| Electric exp. | 34,810-00 |
| Postage exp. | 992-00 |
| Misc. exp. | 15,139-00 |
| Pntg. & Stationery | 28,026-00 |
| Travelling & Conveyance | 26,337-00 |
| Shobha Yatra exp. | 78,352-00 |
| Hawan exp. | 34,441-00 |
| Food & refreshment | 3,13,672-00 |
| Dakshina exp. | 1,64,541-00 |
| Advertisement exp. | 15,406-00 |
| Pandal exp | 1,20,000-00 |
| Bal Kalyan | 5,990-00 |
| | 8,37,706-00 |

**SCHEDULE NO-11 DONATIONS**

| | |
|---|---|
| General Donation | 20,90,713-00 |
| Dayanand Dharmarth Aushdhalaya | 20,523-00 |
| Atithishala | 9,80,175-00 |
| Annual Function | 8,95,630-00 |
| Shrawani Parv | 10,3,178-00 |
| Vedic Sahitya Prachar | 5,08,325-00 |
| Hawan Yagya | 12,03,653-00 |
| Arya Sansar | 1,400-00 |
| Arya Gaurav | 400-00 |
| | 58,03,997-00 |

**SCHEDULE NO-12 BANK INTEREST**

| | |
|---|---|
| Intt. On CESC deposit | 4,032-60 |
| Vaidic Pracharak Sahayata | 20,872-00 |
| Student Help | 10,180-00 |
| Atithi Satkar | 2,208-00 |
| Swasthya & Jankalyan | 7,704-00 |
| Ved Prachar | 21,860-00 |
| Mahila kalyan | 24,299-00 |
| Dharmarth Aushadhyalaya | 9,279-00 |
| Annual Function | 10,892-00 |
| Prakashan | 17,908-00 |
| Daily Hawan | 23,840-00 |
| Gurukul Sahayata | 18,483-00 |
| Saving bank | 9,305-00 |
| Water hut | 324-00 |
| Ved Vedang | 3,795-00 |
| Bal Puraskar | 1,562-00 |
| Pt. R. K. Upadhya Smrtikosh | 3,900-00 |
| Gaushala Samvardhan | 5,318-00 |
| Arya Stree Samaj Calcutta | 22,826-00 |
| T D S Refund Intt. | 47-00 |
| | 2,18,634-60 |

**SCHEDULE NO-13 BOOK FAIR**

| | |
|---|---|
| Kolkata Book Fair | 24,887-00 |
| Malda Book Fair | 11,157-00 |
| Deoghar Book Fair | 15,378-00 |
| Dhanbad Book Fair | 8,595-00 |
| Kharagpur Book Fair | 6,699-00 |
| | 66,716-00 |

**ARYASAMAJCALCUTTA**

*President* **Maniram Arya** *Secretary* **Madanlal Seth** *Treasurer* **Krishna Kumar Jaiswal**

AS PER OUR ANNEXED REPORT OF EVEN DATE

33/1, N. S. ROAD
KOLKATA - 700 001

For V. D. GARG & CO.
Chartered Accountants
FRN : 311051E
(VISHAMBER DAYAL GARG)
Proprietor
MEM.NO. 050131

DATED : THE 20th. DAY OF JUNE, 2019

# आनुमानिक आय-व्यय बजट (वर्ष २०१९-२०२०)

| खाता | आनुमानिक आय | आनुमानिक व्यय |
|---|---|---|
| | रु० | रु० |
| मासिक चन्दा | 70,000 | ------- |
| दयानन्द धर्मार्थ औषधालय | 20,000 | 1,10,000 |
| वैदिक साहित्य प्रचार | 5,00,000 | 4,50,000 |
| हवन यज्ञ | 13,00,000 | 13,00,000 |
| बाल कल्याण | 6,000 | 30,000 |
| विद्यार्थी सहायता | 10,000 | 20,000 |
| आर्य संसार | 2,000 | 1,00,000 |
| आर्य गौरव | 2,000 | 20,000 |
| अतिथि शाला | 10,00,000 | 2,10,000 |
| पर्व खाते | 1,00,000 | 3,00,000 |
| प्रकाशन | 18,000 | 1,00,000 |
| वार्षिकोत्सव | 9,00,000 | 10,00,000 |
| वेद प्रचार | 21,000 | 2,50,000 |
| वेतन | —— | 2,10,000 |
| बिजली | —— | 3,00,000 |
| भवन प्रबन्ध, मरम्मत एवं रंगाई खर्च | —— | 4,00,000 |
| टेलीफोन | —— | 3,500 |
| मार्ग व्यय | —— | 7,000 |
| स्टेशनरी एवं छपाई | —— | 25,000 |
| फुटकर खर्च | —— | 70,000 |
| डाक खर्च | —— | 3,500 |
| दैनिक यज्ञ | —— | 1,50,000 |
| अतिथि सत्कार | 2,500 | 5,000 |
| वाचनालय | —— | 10,000 |
| गुरुकुल सहायता | 21,000 | 1,00,000 |
| बैंक खर्च | —— | 2,000 |
| वैदिक प्रचारक सहायता | 20,000 | 70,000 |
| महिला कल्याण | 24,000 | 1,00,000 |
| स्वास्थ्य एवं जनकल्याण | 7,000 | 10,000 |
| जनरल दान | 15,00,000 | —— |
| नेत्र शिविर | —— | 30,000 |
| बाढ़ एवं प्राकृतिक विपदा सहायता | —— | 30,000 |
| कानूनी सहायता | —— | 1,02,000 |
| दशांश | —— | 7,000 |
| अडिट फीस एवं एकाउटिंग | —— | 48,000 |
| साधारण सभा | —— | 15,000 |
| पुरोहित प्रशिक्षण शिविर | —— | 50,000 |
| कुल योग | **55,23,500** | **56,38,000** |
| न्यूनता-- | **1,14,500** | |
| (न्यूनता जो दान द्वारा पूरा करना होगा।) | **56,38,000** | |

# Arya Mahila Siksha Mandal Trust

20, BIDHAN SARANI, KOLKATA-700 006

## COMPUTATION OF TOTAL INCOME FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 2019

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| Receipts | | | | |
| **INCOME FROM HOUSE PROPERTY** | | | | |
| Rent | 36.780-00 | | | |
| Less : Corporation Tax | - | 36.780-00 | | |
| Less : 30% thereof | | 11.034-00 | | 25.746-00 |
| **INCOME FROM OTHER SOURCE** | | | | |
| Interest | | 92.786-00 | | |
| Less : Administrative Expenses | | | | |
| Printing & Stationery | 1.048-00 | | | |
| Accounting charges | 10.000-00 | | | |
| Conveyance | 98-00 | | | |
| Legal Exp | 2.250-00 | 13.396-00 | | 79.390-00 |
| | | | | 1,05,136-00 |
| Less : Not Exceeding15% thereof set appart | | | | 15.770-00 |
| | | Income Derived | | 89.366-00 |
| Less : Charity & Donation as per I & E A/c | | 1.00.800-00 | Rest. to | 89.366-00 |
| | | | | NIL |

| | |
|---|---|
| Income tax there on | NIL |
| Less : TDS on FD | 8.450-00 |
| **REFUNDABLE** | 8.450-00 |

**For** Arya Mahila Siksha Mandal Trust

*President :* **Shriram Arya** *Secretary :* **Achchhelal Seth** *Treasurer :* **Dipak Arya**

**FORM NO.10B** (SEE RULE 17 B)

**Audit Report under section 12 A (b) of the Income-Tax Act, 1961, in the case of charitable or religious trusts or institutions**

*I/We have examined the balance sheet of ARYA MAHILA SIKSHA MANDAL TRUST [name of the trust or institution] as at 31st March 2018 and the profit and loss account for the year ended on that date which are in agreement with the books of account maintained by the said Trust.

*I/We have obtained all the information and explanations which to the best of *my/our knowledge and behalf were necessary for the purpose of the audit. In *my/our openion, proper books of account have been kept by the above named *trust/intitution visited by *me/us so far as appears from examination of the books of accounts.

In our openion and to the best of information, and according to information given to *me/us the said accounts give a true and fair view :

(i) In the case of the balance sheet, of the state of affairs of the abovenamed *trust/institution as at 31st March 2018 and

(ii) in the case of the profit and loss account, of the profit or loss of its accounting year ending on 31st March 2019

For MADANLAL & ASSOCIATES
Chartered Accountants
P. K. Agarwal, Proprietor Mem. No. 055900

Kolkata - 700 001
Date : The 3rd day of July 2019

# Arya Mahila Siksha Mandal Trust

20, BIDHAN SARANI, KOLKATA-700 006

## BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2019

| Liabilities | | Net Amount |
|---|---|---|
| **Cropus Fund Accont :** | | |
| As per last Balance Sheet | | 4.50.000-00 |
| TRUST FUND ACCOUNTS : | | |
| Balance as per last A/c | 12.73.870-27 | |
| Add : Excess of Income over expenditure Account | 15.370-00 | 12.89.240-27 |
| **Ear market Fund :** | | |
| Late Swarna Lata Khanna | 5.000-00 | |
| Chairanjilal Bahari Memorial fund | 5.000-00 | 10.000-00 |
| | | 17,49,240-27 |

| Assets | | Net Amount |
|---|---|---|
| **Fixed Assets** | | |
| Building | | 2.00.000-00 |
| Current Assets | | |
| **Cash & bank balances** | | |
| Cash in Hand (As Certified) | 1.431-40 | |
| Allahahad Bank (Saving Account) | 2.06.742-87 | 2.08.174-27 |
| Allahabad Bank F/D | | 13.00.000-00 |
| Accured Intt. | | 13.217-00 |
| Deposit with Rent Control | | 954-00 |
| TDS | | |
| Asst. Yr. 2007-08 | 3.228-00 | |
| Asst. Yr. 2008-09 | 4.358-00 | |
| Asst. Yr. 2010-11 | 306-00 | |
| Asst. Yr. 2011-12 | 985-00 | |
| Asst. Yr. 2018-19 | 9.568-00 | |
| Asst. Yr. 2019-20 | 8.450-00 | 26.895-00 |
| | | 17.49.240-27 |

For Madanlal & Associates.
Chartered Accountant
**(P.K. Agarwal)**
Proprietor
Memo No. 055900

Kolkata

Dated the 3rd day of July 2019

**Arya Mahila Siksha Mandal Trust**

*Sd/-* **Sree Ram Arya** *President*

*Sd -* **Achchhelal Seth** *Secretary*

*Sd -* **Deepak Arya** *Treasurer*

# Arya Mahila Siksha Mandal Trust

20, BIDHAN SARANI, KOLKATA-700 006

## INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH, 2019

| Expenditure | Net Amount | Income | Net Amount |
|---|---|---|---|
| CharityExp. | 1.00.800-00 | By Rent | 36.780-00 |
| Printing & Stationery | 1.048-00 | | |
| Acounting charges | 10.000-00 | Interest | |
| Legal Expenses | 2.250-00 | Int. on Bank FD | 84.498-00 |
| Conveyance | 98-00 | From Bank on Saving Bank | 8.222-00 |
| | | Int. on TDS Refund | 66-00 |
| Surplus : Income Over Expenditure | | | |
| Transferred to Trust Fund A/c | 15.370-00 | | |
| | 1,29,566-00 | | 1.29.566-00 |

## Arya Mahila Siksha Mandal Trust

*President :* **Sreeram Arya** *Secretary :* **Achchhelal Seth** *Treasurer :* **Dipak Arya**

For Madanlal & Associates.
Chartered Accountant
**(P.K. Agarwal)**
Proprietor
Memo No. 055900

Kolkata

Dated the 3rd day of July, 2019

**Arya Mahila Siksha Mandal Trust**

*Sd/-* **Sree Ram Arya** *President*

*Sd* - **Achchhelal Seth** *Secretary*

*Sd* - **Deepak Arya** *Treasurer*

# Vaidik Anusandhan Trust

19, BIDHAN SARANI, KOLKATA-700 006

## INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH, 2019

| Expenditure | Net Amount | Income | Net Amount |
|---|---|---|---|
| To Printing & Stationery | 233-00 | By S. B. Interest | 286-60 |
| To Conveyance | 381-00 | Bv F.D. Interest | 16.157-26 |
| To Acounting charges | 7.000-00 | | |
| To Prakasion Exp. | 3.200-00 | By TDS Refund Interest | 86-63 |
| To Depreciation : | 879-00 | Donation | 37.500-00 |
| To Legal Expenses | 885-00 | | |
| Bank Charges | 3-00 | | |
| Meeting Expenses | 462-00 | | |
| Free Distribution of Books | 27.500-00 | | |
| Audit Fees | 1.298-00 | | |
| Surplus during the year | 12.189-49 | | |
| | 54,030-49 | | 54.030-49 |

## BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2019

| Liabilities | | Net Amount | Assets | Net Amount |
|---|---|---|---|---|
| **General Fund:** | | | Steel Almirah | 2.517-00 |
| As per last year | 2.48.124-03 | | Furniture | 6.997-00 |
| Add: Surplus | 12.189-49 | 2.60.313-52 | **Fixed Deposit** | |
| **Current Libities** | | | Syndicate Bank with Accrued Intt | 2.53.984-35 |
| Gaurav Steel Furniture | | 7.200-00 | TDS Asst. year 2019-20 | 1.615-72 |
| Audit Fees Payable | | 1.298-00 | **Cash At Bank** | |
| | | | Syndicate Bank | 1.882-20 |
| | | | Burrabazar Branch, Kolkata | |
| | | | S.B. A/c No. 95052010003230 | |
| | | | Cash in Hand | 1.815-25 |
| | | 2,68,811-52 | | 2.68.811-52 |

# Vaidik Anusandhan Trust

19, BIDHAN SARANI, KOLKATA-700 006

## INCOME & TAX COMPUTATION STATEMENT

### Asst. Year 2019-2020

| | | | |
|---|---|---|---|
| Total Income/Receipts | | | 54,030-00 |
| Total Funds Applied : | | | |
| Expenses during the period as per | | | |
| income & Expenditure account | 41,841-00 | | |
| Less : Depreciation disallowed | 879-00 | | 40,962-00 |
| | | | 13,068-00 |
| Less : Assets purchases | | | 7,200-00 |
| Less : Exempted upto 15% of Total Income | 8,105-00 | Restricted to | 5,868-00 |
| | | | 5,868-00 |
| | Surplus : | | Nil |
| | TAX | | Nil |
| | Less TDS on FD | | 1615-72 |
| | Refundable | | 1615-72 |

**For Vaidik Anusandhan Trust**

| *Trustee* | *Trustee* | *Trustee* |
|---|---|---|
| **Shreeram Arya** | **Deepak Arya** | **Rajendra Prasad Jaiswal** |

### AUDITOR'S REPORT

We have audited the Balance Sheet as at 31st March, 2019 of **VAIDIK ANUSANDHAN TRUST** and the relative Income and Expenditure Account for the year ended on that date which are in agreement with the books of accounts submitted to us.

33/1, N. S. Road,

Kolkata - 700 001

Date : The 29th day of June, 2019

For V.D. GARG & CO.

Chartered Accountants

FRN 311051E
(VISHAMBER DAYAL GARG)
Proprietor
Mem. No. 050131

# Arya Stree Samaj Calcutta

19, BIDHAN SARANI, KOLKATA-700 006

## Income and Expenditure Account for the Year Ended 2018-2019

| Expenditures | | Income | | |
|---|---|---|---|---|
| Salaries | 5,550.00 | General Donations | | 1,08,115.00 |
| Adhyatamic Mahila Satsang | 38,950.00 | | | |
| Yagya & Prasad exp. | 2,585.00 | | | |
| Misc. Exp. | 3,882.00 | Subscriptions | | 18,200.00 |
| Annual function | 26,230.00 | | | |
| Donations | 10,726.00 | Bank interest | 22,826.00 | |
| Accounting Charges | 1,000.00 | | | |
| Stationery Expenses | 830.00 | Less: TDS : | 2,152.00 | 20,674.00 |
| Repair Expenses | 1,800.00 | | | |
| Depriciation | 623.00 | | | |
| Bal Satsang | 6,000.00 | | | |
| Conveyance | 1,700.00 | | | |
| Festival Expenses | 8,000.00 | | | |
| | 1,07,876.00 | | | |
| Surplus During the year | 39,113.00 | | | |
| | 1,46,989.00 | | | 1,46,989.00 |

## BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2019

| Liabilities | | Assets | |
|---|---|---|---|
| | | Through Arya Samaj Calcutta FDR | 3,21,397.00 |
| **General Fund** | | Intt. with Arya Samaj | 42,207.00 |
| Opening balance | 3,35,065.50 | Musical instruments | 1,949.00 |
| Add : surplus | 39,113.00 | Ved Sets | 3,970.00 |
| | | Mike Set | 1,162.00 |
| | | Chairs | 2,498.00 |
| | | Cash in hand | 995.50 |
| | 3,74,178-50 | | 3,74,178-50 |

Acharyaji :
Pt. Nachiketa Bhattacharya

| *President :* | *Secertary :* | *Treasurer* |
|---|---|---|
| Smt. Santosh Goel | Smt. Parveena Jaiswal | Smt. Asha Arora |

# Donations for 133rd Annual Function

| Names | Rs. | Names | Rs. |
|---|---|---|---|
| Anandilal Poddar Charitable Trust | 41,000 | Vijay Spares Corporation | 5,100 |
| Dollar Foundation | 25,000 | J. B. Concern | 5,100 |
| Ramchandra Poddar smarak Nidhi | 21,000 | Technical Spares | 5,100 |
| R.J. Distributors | 21,000 | Shri Jagdish Prasad Arya | 5,100 |
| Raghumal Arya Vidyalay | 19,725 | Shri Shyam Sundar Jaiswal | 5,100 |
| Raja & Mitsu Fashions | 15,000 | Shri Jagdish Mandal | 5,100 |
| Shri Mahesh Kumar Damani | 15,000 | Smt. Kalawati Devi Arya | 5,100 |
| Arya Kanya Mahavidyalaya | 14,075 | Artech Industrial Pvt. Ltd | 5,100 |
| Shri Kamal Trust | 11,000 | Shri Arun Kumar Jaiswal | 5,100 |
| sooramull Baijnath Pvt. Ltd. | 11,000 | Shri Phool Chand Arya | 5,100 |
| Kashiram Earth Movers | 11,000 | Beico Electronics | 5,100 |
| Shri Suyash Jaiswal | 11,000 | Shri Sanjay Agarwal | 5,000 |
| Shri Nirdosh Kumar Agarwal | 11,000 | Shri J.J. Chauhan | 5,000 |
| Shri Sumedh Jaiswal | 10,000 | Shri Jivraj Shah | 5,000 |
| Parts Corporation of India | 11,000 | Indian Instrument Mfg Co. | 5,000 |
| AVS Earthmoving Spares | 10,100 | Shri Sisir Kumar Gupta | 5,000 |
| M.R. Khoradia Sewa Nyas | 11,000 | Shri Rajaram seth | 5,000 |
| Shri Pintu Shaw | 8,600 | Techno Spares | 5,000 |
| Shri Sanjeev Gupta | 8,100 | Smt. Saraswati Devi Arya | 5,100 |
| Shri Satya Narayan Deoralia | 8,000 | Shri Arya Veer Jaiswal | 5,000 |
| Shri Jagannath Mewalal jaiswal | 7,500 | Smt. Dhriti Jaiswal | 5,000 |
| Hiralal Agarwal & Co. | 7,500 | Shri Divyanshu Jaiswal | 5,000 |
| Smt. Jaishri Agarwal | 7,500 | B.S. Singh Brothers | 5,100 |
| Shri Ashok Kumar Sriwastawa | 7,500 | Shiv Durga Bhandar | 4,305 |
| Donation Box | 7,463 | Shri Dwarka Prasad Jaiswal | 4,300 |
| Shanti Trading Corporation | 7,100 | Shri Dayal Shaw | 4,300 |
| Smt. Birma devi Verma | 6,000 | Anmol Track Spares Co. | 4,300 |
| Shri Vijay Kumar Jaiswal | 6,000 | Jagdish Narayan Indra Bahadur Singh | 4,300 |
| Shri Brijesh Seth | 5,500 | Rahul Earth Movers | 4,300 |
| | 5,000 | Technical Spares | 4,300 |
| Pt. Ved Prakash Shastri | 5,000 | Shri Hukum Chand Jaiswal | 4,300 |
| Shri Gulshan Kumar Gulati | 5,001 | Ishwar Jaiswal, Vidyasagar Jaiswal | 3,600 |
| Raj & Raj Pvt Ltd. | 5,000 | Raj &Raj | 3,100 |
| Shri Amar Deep Shaw | 5,000 | Smt. Anita Khere | 3,100 |

| Names | Rs. | Names | Rs. |
|---|---|---|---|
| Earthco India | 3,100 | Pannalal ramesh Chand | 2,100 |
| Shri Rampat Yadaw | 3,100 | Evergreen Entrprise | 2,100 |
| Shri Dev Vrat Chatterjee | 3,100 | Subham Earth Movers | 2,100 |
| Omex (India) Sales Pvt.Ltd | 3,000 | Shio Trading Corporation | 2,100 |
| Shri Om Prakash Shaw | 3,100 | Akriti Arts Gift Gallary | 2,100 |
| A.R. Verma & Sons | 3,000 | Shri Deep Chand Ji | 2,100 |
| Shri Radhey Shyam Kanoria | 2,500 | Umesh Earth Movers | 2,100 |
| Singh & Sons | 2,500 | G.D. Enterprises | 2,100 |
| Raghupat & Brothers | 2,500 | Spares India | 2,100 |
| Shri Vinod Seth | 2,500 | Bharat Industrial Corporation | 2,100 |
| Bijay Enterprise | 2,500 | Shri Vikash Agarwal | 2,100 |
| Shri Bilochan Seth | 2,500 | Track & Tracto | 2,150 |
| Raju Brothers | 2,500 | Mewalal Suresh Chand | 2,100 |
| S. Narayan & Brothers | 2,500 | Shri R.K. Agarwal | 2,100 |
| Raju Brothers | 2,500 | Anurag Steel Corporation | 2,000 |
| ShriBajaranglal Chaudhary | 2,500 | Anand Iron & Steel Co. | 2,000 |
| Shri Satya Brat Jaiswal | 2,500 | Smt. Manju Arya | 2,000 |
| Shri Jawahar Lal Shaw | 2,500 | Shri Naresh Gupta | 2,000 |
| Shri Rampat Yadaw | 3,100 | Santosh S. Pvt. Ltd | 2,000 |
| Shri Dev Vrat Chatterjee | 3,100 | Shri Sanjay Gupta | 2,000 |
| Omex (India) Sales Pvt.Ltd | 3,000 | Shri Babulal Sharma | 2,000 |
| Shri Om Prakash Shaw | 3,100 | Shri Gorakh Sonvane | 2,000 |
| A.R. Verma & Sons | 3,000 | Shri Jay Krishna Gupta | 2,100 |
| Shri Radhey Shyam Kanoria | 2,500 | Shri Satyanarayan Deoralia | 2,100 |
| Singh & Sons | 2,500 | Shri Ramphool Jaiswal | 2,100 |
| Raghupat & Brothers | 2,500 | Shri Ganesh Seth | 2,100 |
| Shri Vinod Seth | 2,500 | Ram Dular & Pawan Kumar Gupta | 2,150 |
| Bijay Enterprise | 2,500 | Shri satya Narayan Jaiswal | 2,150 |
| Shri Bilochan Seth | 2,500 | Shri Durgvijay Jaiswal | 2,100 |
| Raju Brothers | 2,500 | Ramdhani Jaiswal & Sons | 2,000 |
| S. Narayan & Brothers | 2,500 | J.P. Steel | 2,000 |
| Raju Brothers | 2,500 | Surendra Industries | 2,000 |
| ShriBajaranglal Chaudhary | 2,500 | Shri Gagan Agarwal | 2,100 |
| Shri Satya Brat Jaiswal | 2,500 | Arya Samaj Titauli | 2,100 |
| Shri Jawahar Lal Shaw | 2,500 | Shri Pramod Agarwal | 2,100 |
| | 2,000 | | 2,100 |

| Names | Rs. | Names | Rs. |
|---|---|---|---|
| Smt. Gayatri Devi Gupta | 2,000 | India Spares Co. | 1,100 |
| Shri Ajay Arya | 2,100 | M/S. Vijaxco | 1,100 |
| Shri Shashi Bhusan Sriwastawa | 2,100 | Machino Enterprise | 1,100 |
| Shri Bhimsen Garg | 1,500 | Heavy Equipments | 1,100 |
| Bharat Marketting Co. | 1,500 | Shri Ganguram jaiswal | 1,100 |
| Shri Heeralal Jaiswal , R.P. Verma | 1,500 | Smt. Rashmi Seth | 1,100 |
| Shiv Kumar Jaiswal | 1,500 | Smt.Annapurna Devi Jaiswal | 1,100 |
| Shri Satish Chandra Jaiswal | 1,500 | Mohanlal Indira Devi | 1,000 |
| Shri Ambar Banarji | 1,700 | Expo Enterprise | 1,100 |
| Shri Rahul Gupta | 1,700 | Shri Sajan Bindal | 1,100 |
| Shri Sunil Das | 1,700 | Shri Uday Mandal | 1,100 |
| Shri Sanjay Agrahari | 1,300 | Deep Enterprise | 1,100 |
| Shri Ranjit Jha | 1,500 | Standar Spares Corpn | 1,100 |
| Shri Binod Jaiswal | 1,501 | Om Byawasayik Sangh | 1,000 |
| Shri Ma Santoshi Spares | 1,500 | Asho Kumar & Brothers | 1,000 |
| Shri Santlal Jaiswal | 1,500 | Ramjash Hiralal | 1,000 |
| Shri Magan Ram Shaw | 1,500 | Mahalaxmi Iron Trading Co. | 1,100 |
| Smt. Ranjeeta Verma | 1,500 | P.K. Jaiswal & Brothers | 1,000 |
| Shri Kanhaiyalal Seth | 1,500 | Saraswati Steel (Shri Anil Babu) | 1,000 |
| Shri Lau Tripathi | 1,500 | Shri Anuj Jaiswal | 1,000 |
| Dayaram & Brothers | 1,500 | Shri Ramesh Chand Jaiswal | 1,000 |
| Shri Suresh Tripathi | 1,500 | Durga Trading Co. | 1,000 |
| Nath Brothers | 1,500 | Shri Kanhaiyalal Seth | 1,100 |
| Lord Steel | 1,500 | Star Auto Centre | 1,100 |
| Shri Lakshmi Narayan Sahu | 1,500 | Shri Deepak Gupta | 1,100 |
| Shri Nirdosh Kumar Agarwal | 1,220 | Kapany Engineering Co.Pvt. Ltd | 1,100 |
| Shri Naresh Gupta | 1,200 | Shri Sanjeev Kumar Jaiswal | 1,000 |
| Shri Nirdosh Kumar Agarwal | 1,100 | Shri Pravesh Nand Jaiswal | 1,000 |
| Smt. Bimla Devi Agarwal | 1,100 | Smt. Neelam Praveen | 1,000 |
| | 1,100 | Shri Ram Prakash Jaiswal | 1,100 |
| Bajaj Trading company | 1,100 | Smt. Smita Jaiswal | 1,000 |
| Vasudeo Tracto Rollars | 1,100 | Shri Murlidhar DolAl | 1,000 |
| Tal Brothers | 1,100 | Shri satyendra Jaiswal | 1,100 |
| Machino Parts of India | 1,100 | Shri satya Prakash Jaiswal | 1,000 |
| The Calcutta Gasket Mfg. Works | 1,100 | Shri Doodhnath Shaw | 1,001 |
| Star Spres Agency | 1,100 | Eastern Iron & Steel Co. | 1,000 |

| Names | Rs. | Names | Rs. |
|---|---|---|---|
| Shital Prasad Kali Prasad | 1,200 | Shri Vnod Kumar Gupta | 1,100 |
| Smt. Aditi Arya | 1,100 | Shri Kanai Lal Arya | 1,000 |
| Smt. Madhuri Shah | 1,100 | Shri Shivam Jaiswal | 1,000 |
| Smt. Shipra Kothar | 1,100 | Shri Asharam Jaiswal | 1,100 |
| Smt. Kanta arya | 1,100 | Savitri Devi Seth | 1,100 |
| Tara Enterprise | 1,000 | Shri A. | 1,100 |
| Smt. Leena Damani Upopadhyay | 1,000 | Shri Satish Kumar Jaiswal | 1,111 |
| Smt. Santosh Goel | 1,100 | Shri Raj Verma | 1,000 |
| Arya Stree Samaj Bhawanipur | 1,100 | Shri Ashok mJaiswal | 1,000 |
| Shri Mahendra Jaiswal | 1,000 | Shri Manik Chand Shaw | 1,100 |
| Smt. Sweta Gupta | 1,001 | Industrial Chain Lifting Equipment | 1,000 |
| Shri Ashok Kumar Dubey | 1,000 | Shri Shiv Kumar Agrahari | 600 |
| Hariom Freight Carriers Pvt. Ltd | 1,100 | Indian Steel Enterprise | 600 |
| Shri Ashok Agarwal | 1,000 | Shri Ram satya Prakash | 600 |
| Shri Naval Sharma | 1,000 | Shri Satya Prakash Shaw | 550 |
| Unitrades | 1,101 | Shri Kapoor Chand Jaiswal | 550 |
| Shri Rahul Jaiswal | 1,000 | Smt. Ved Kumari Khanna | 501 |
| Shri Suresh Kumar Agarwal | 1,100 | Shri R.K. Kapoor | 501 |
| Shri Narendra Kashyap | 1,000 | Pt. Ganesh Ch. Bandyopadhyay | 400 |
| Shri Hari Ram Shaw (Tanda Wale) | 1,100 | Shri Rajaram Shastri | 500 |
| Shri Haridwar Prasad Jaiswal | 1,000 | Victory Earth Movers | 500 |
| Smt. Sushila Pathak | 1,000 | Samrat Earth Movers | 500 |
| Inter Sales Agency | 1,100 | Shri Prem Seth | 500 |
| Kamla Prasad Jwala Prasad & Co. | 1,100 | Shri Dipak Prakash Shaw | 500 |
| Shri Mahendra Kumar Jaiswal | 1,100 | Smt. Seema Jaiswal | 501 |
| Chandra & Chandra | 1,000 | shri Sujal & Sumedh Jaiswal | 501 |
| Shri Basant Kumar Memani | 1,000 | Shri Shyam Sundar Gupta | 501 |
| R.N.R. Udyog | 1,000 | Shri Suvigya Gupta | 500 |
| A.K. Steel Industries | 1,000 | Shri Mahendra Kumar Jaiswal | 500 |
| Shri Amit Ji | 1,000 | Gupta Trading Co. | 500 |
| Smt. Mamta Jaiswal | 1,000 | Maa Tara Tube Co. | 500 |
| Shri Ramesh Chandra Agarwal | 1,100 | Raj Kumar Ram & Sons | 500 |
| Smt. Daya Devi Agarwal | 1,100 | Sherans World | 500 |
| Shri Durga Prasad Gupta | 1,100 | Shri laloo kumar Jaiswal | 500 |
| Shri Amit Gupta | 1,100 | Rahul Enterprise | 500 |
| LVS Earthmovers (P) Ltd | 1,100 | Shri Kapildeo Ram Shaw | 500 |

| Names | Rs. | Names | Rs. |
|---|---|---|---|
| Shri Krishna Iron Trading Co. | 500 | Pradip Enterprise | 500 |
| Shri Ram Achal Prajapati | 501 | Smt. Rajshri Agarwal | 500 |
| Shri A.P. Verma | 501 | Smt. Bhagwati Devi Agarwal | 500 |
| Shri Hari Narayan Jaiswal | 501 | Smt. Sheela Verma | 501 |
| Shri Sidharth Gupta | 500 | Shri Ramesh Chand Dalmia | 500 |
| Global Impex | 500 | Read Paly | 500 |
| Smt. Urmila Jaiswal | 500 | Trinetra Exports Services (P) Ltd | 500 |
| Shri Santosh Kumar Gupta | 500 | Shivam Enterprise | 500 |
| Shri Anand Jaiswal | 500 | p.Kumar & Brothers | 501 |
| Shri Bhimraj Kochar | 500 | Shri Kamal Soni | 500 |
| Shri Anand Jaiswal | 501 | Vijay, Renu, Rahul | 500 |
| Smt. Asha Jaiswal | 500 | Shri Shyam Lal Agarwal | 500 |
| Shri Vinod Kumar Jaiswal | 501 | Smt. Kamla Devi & Sri R. Agarwal | 500 |
| Shri Sudesh Kumar Jaiswal | 500 | Vimal , Babita and Druv Agarwal | 500 |
| Shri Satya Prakash Jaiswal | 500 | S.K. Trading Co. | 500 |
| Smt. Praveena Jaiswal | 500 | Rameshwar Dayal Mahesh Chand | 500 |
| Smt. Shashi Prabha Jaiswal | 500 | Shitala Steel Corporation | 500 |
| Shri Sanjay Agrahari | 500 | Nand Brothers | 500 |
| India Chain Concern | 501 | Shri Ashok Kumar Jaiswal | 500 |
| Shri Umashankar Agrahari | 500 | Gita Ispat | 500 |
| Durgesh Chand dilip Kumar | 500 | Shri Subash Gupta | 500 |
| Vijay, Renu and Rohit Agarwal | 500 | Kanpur vSteel Traders | 500 |
| Puskarlal & Co. (Arun Arya) | 500 | Shri Ranjeet Kumar Jha | 551 |
| Power Engineering Works | 500 | Saket Enterprise | 500 |
| Shri Gunadhar arya | 501 | Shri amchet Verma | 500 |
| Smt. Kusum Kapoor | 500 | Smt. Ranjana Gupta | 500 |
| Shri Shiv Kumar Jaiswal | 505 | Smt. Gita Sharma | 501 |
| Shri Vijay Nd Laxmi Gupta | 501 | Smt. Reena Jaiswal | 501 |
| Shri Bechan Jaiswal | 500 | Smt. Manjushri Banerjee | 501 |
| Bharat Iron Stors | 500 | Shri Kanighar Jaiswal | 501 |
| Abhisek Steel | 500 | Shri Jagannnath Verma | 500 |
| Shri A. Chaudhary | 500 | Shri Ved Prakash Gupta | 500 |
| Shri Ganesh Prasad Jaiswal | 500 | Smt. Satyawati Jaiswal | 500 |
| Shri Sanjay Biswas | 500 | Smt. Bina Seth | 500 |
| Shri Satya Prakash Jaiswal | 500 | Shri Rakesh Shaw | 501 |
| Shri Rabindra Jaiswal | 500 | Shri Deepak Jaiswal | 501 |

| Names | Rs. | Names | Rs. |
|---|---|---|---|
| Shri Gulab Chand Jaiswal | 500 | Steel India | 250 |
| Shri Ram Murat Arya | 500 | H.P. Anand | 200 |
| Smt. Ujjwala Devi | 500 | Ganpati Steel | 200 |
| Shri Raj Kishor Arya | 501 | Chandi Prasad & Sons | 250 |
| Shri Amit Dhawale | 500 | Prakash Jaiswal | 250 |
| Shri Subhash Chand Shaw | 501 | Shri Pradip Kumar Jaiswal | 200 |
| Shri Rajendra Kumar Gupta | 500 | Shri Santosh Ji | 250 |
| Shri Muklesh Kumar Gupta | 500 | Shri Gopal Ram Shaw | 250 |
| Shri Rajkumar & Smt Sadhana Jaiswal | 500 | Shri Madan Lal | 200 |
| Shri Sarthak Jaiswal | 501 | P.Nath & Sons | 250 |
| Shri Vinay Kumar Arya | 500 | Shri Shyam Narayan Gupta | 200 |
| Smt. Anita Sriwastawa | 501 | Shri Kaushal Prasad | 200 |
| Shri J.K. Sharma | 500 | Shri Manoj Mahesh Seth | 200 |
| Shri Rajendra Lal Shaw | 500 | H.P.Trading Co. | 250 |
| Shri Sahadeo Ram Shaw | 501 | Shri Abhishek Gupta | 200 |
| Smt. Geeta Mishra | 301 | Mohak Steel Tradrs | 200 |
| Shri Binod Kumar Jaiswal | 300 | Arun Kumar Anup Kumar | 250 |
| Manrajram Acharaj Ram | 300 | Sujit Steel Udyog | 250 |
| Super Diesel Spares | 351 | Rajesh Stores | 200 |
| Ram Kumar & Sons | 350 | Shri Raj Kumar Shaw | 251 |
| Shri Satya Narayan Jaiswal | 350 | Shri Dhruv Chand Shaw | 201 |
| Ma Durga Iron Stores | 300 | Sarco Equipments Pvt. Ltd | 251 |
| Lal Chand & Sons | 300 | Shri Shiv Prasad Shaw | 200 |
| Jaiswal Steel | 300 | Shri S.K. Shaw | 200 |
| Ram Sundar & Co. | 300 | Shri Sriji Jaiswal | 251 |
| Ram Padarath & Sons | 300 | Smt. Aradhana Jaiswal | 200 |
| A.G. Enterprise | 300 | Shri Ved Prakash jaiswal | 250 |
| Dharam Weigh Bridge | 300 | Shri Neeraj. Smt. Vaishali Agarwal | 200 |
| Steel Udyog | 300 | Major Vijay Arya | 201 |
| Andaman Motors | 250 | Shri Hargauri Bhagat | 202 |
| Shri Uttam Kumar Das | 201 | Ma Kamakhya Weigh Bridge | 251 |
| Shri Suresh Gupta | 251 | Shri Dayanand Prakash Agrawal | 200 |
| Shri Dayaram jaiswal | 251 | Smt. Asha Arora | 200 |
| Shri Kamal Singh Arya | 250 | Smt. Jaishri Mishra | 200 |
| Shri Sher Singh Arya | 250 | K.Karmakar & Co. | 251 |
| Shri Dhiraj Shaw | 200 | C. C. L. | 251 |

| Names | Rs. | Names | Rs. |
|---|---|---|---|
| S K P C | 251 | Shri Shyam Sundar Singh | 205 |
| Shri Bajaj | 251 | Smt. Sangita Jaiswal | 250 |
| | 251 | Smt. Seema Jaiswal | 201 |
| Shri Steels | 251 | Meera Devi | 155 |
| C S L | 251 | Shri Panchanand Mishra | 150 |
| Menoka Enterprise | 250 | Shri Binod Kumar Jaiswal | 151 |
| Smt. Dipika Jaiswal | 251 | Shri Rajendra Arya | 150 |
| Shri Jhimku Prasad Jaiswal | 201 | S.K. & Sons (Shiv Kumar Ji) | 150 |
| Niraj Baishali Agarwal | 200 | Shri Bisheswarnath Jaiswal | 150 |
| Shri Ram Ji | 200 | R.K.Steel Trading Co. | 150 |
| Shri Harilal Jaiswal | 251 | Shri Munna Jaisal | 150 |
| Shri Pramod Kumar Jaiswal | 201 | Shri Lalkhi Jaiswal | 150 |
| Shri Ramdhani Gupta | 205 | Dilip Kumar & Sons | 150 |
| Smt. Sadhana Devi Jaiswal | 201 | Shri M.L. Gupta | 150 |
| Smt. Sunita Jaiswal | 201 | Shri Pradip Kumar Jaiswal | 150 |
| Smt. Sundary Chaudhary | 201 | Shri Rohit Jaiswal | 150 |
| Smt. Kailash Gupta | 201 | Shri Devndra Kumar Jaiswal | 150 |
| Smt. Bharati Jaiswal | 251 | Chemicalagency | 151 |
| Master Vedanshu Jaiswal | 201 | Shri Madhusudan Ji | 151 |
| Smt. Sangita Jaiswal | 250 | Shri Ramesh Kumar Arya | 151 |
| Smt. Urmila Jaiswal | 200 | Shri Bishamdeo Prasad | 151 |
| Smt. Geeta Jaiswal | 251 | Shri Ashok Sharma | 151 |
| Smt. Chanda Devi Arya | 251 | Shri Orilal Jaiswal | 151 |
| Smt. Maya Gupta b | 200 | Shri Rajmani Arya | 151 |
| Smt. Saraswati Arya | 251 | Smt. Nirmala Devi Jaiswal | 125 |
| Shri Lal Chand Jaiswal | 200 | Smt. Lalita Gupta | 110 |
| Shri Om Prakash Sharma | 200 | Smt. Basanti Das | 105 |
| Shri Jagdish Prasad Jaiswal | 200 | Shri Narottam Prajapati | 100 |
| Shri Shyam Sundar Seth | 201 | Smt. Rubi Jaiswal | 100 |
| Shri Satish Bhardwaj | 201 | Shri Jawahar Arya | 100 |
| Smt. Sitamani Prasad | 251 | shri Shankar shambhu Arya | 101 |
| Shri Dhiraj Kumar | 201 | Shri Bhutal Mandal | 100 |
| Shri Gajanan Ram | 220 | Shri Kiran Chand Karmakar | 100 |
| Shri Deendayal Gupta | 251 | Shri Bidhan Chand Roy | 100 |
| Shri Ram Charan Jaiswal | 251 | Shri Rajesh Mandal | 101 |
| Shri Madanlal Arya | 200 | Smt. Uma jaiswal | 101 |

| Names | Rs. |
|---|---|
| Shri Achchhelal Jaiswal | 101 |
| Shri Krishna Steel Trading | 100 |
| Abhishek Entrprise | 100 |
| Bengal Steel Corporation | 100 |
| Steel Burn | 100 |
| Shri Jitan Jaiswal | 100 |
| S.B. Entrprise | 100 |
| Shri Gopal Ji | 100 |
| Pannalal Rajkumar | 100 |
| Smt. Shreya Jaiswal | 101 |
| Smt. Ranjeeta Verma | 100 |
| Shri Ranjeet Jha | 120 |
| Shri Anand Gupta | 111 |
| Shri Alok Tiwari | 101 |
| Smt. Uma Jaiswal | 100 |
| Shri Bala Jewelars | 101 |
| Shri Arvind Kumar Madan | 101 |
| Shri Chandan Keshari | 100 |
| Shri Jay Prakash Jaiswal | 102 |
| Shri Murari Shaw | 100 |
| Shri Gangasagar Gupya | 101 |
| Smt. Shalini Kapoor | 100 |
| Smt. Bimla Gupta | 101 |
| Smt. Gulab Devi | 101 |
| Shri Lotan Singh Tyagi | 100 |
| Shri Motilal Shaw | 100 |
| Smt. Savitri Jaiswal | 101 |
| Shri Swayam Jaiswal | 101 |
| Smt. Sharda Jaiswal | 101 |
| Smt. Asha Jaiswal | 101 |
| Smt. Durga Devi Jaiswal | 101 |
| Smt. Punam Jaiswal | 101 |
| Smt. Seema Jaiswal | 101 |
| Smt. Kavita Jaiswal | 101 |
| Smt. Manorama Jaiswal | 101 |
| Smt. Aryama Damani | 100 |
| Smt. Pramila Jaiswal | 101 |
| Shri Subhasis Mandal | 100 |

| Names | Rs. |
|---|---|
| Smt. Nabnita Mandal | 100 |
| Shri Prateek Chakraborty | 100 |
| Smt. Rekha Sharma | 101 |
| Smt. Urmila Gupta | 100 |
| Smt. Shraddha Jaiswal | 100 |
| Smt. Prashisa Jaiswal | 100 |
| Smt. Shakuntala Jaiswal | 101 |
| Smt. Pooja Jaiswal | 101 |
| Smt. Savitri Maurya | 100 |
| Smt. Bimla Devi Agrahari | 101 |
| Smt. Usha Devi Seth | 101 |
| Smt. Janki Devi Jha | 101 |
| Smt. Vidya Singh | 102 |
| Smt. Sushma Jaiswal | 100 |
| Shri Niraj kumar Gupta | 101 |
| Shri Lakhan Dev Sharma | 101 |
| Shri Hariram Gujar | 100 |
| Smt. Chanchala Mandal | 105 |
| Smt. Arti Mandal | 105 |
| Shri Hariram Kejariwal | 100 |
| Shri Neeraj Kumar Gupta | 101 |
| Smt. Sunita Jaiswal | 51 |
| Shri Sunirmal Das | 51 |
| Shri Ravi Gupta | 50 |
| Shri Nirdosh Agarwal | 41 |

# आर्य समाज कलकत्ता के प्रकाशन

**पुस्तक विक्रेता, आर्य संस्थाओं, उपदेशकों को ४० प्रतिशत की छूट दी जाती है।**

| | पुस्तक का नाम | लेखक/सम्पादक | मूल्य |
|---|---|---|---|
| १. | युग निर्माता सत्यार्थ प्रकाश-संदर्भ दर्पण (ऐतिहासिक संदर्भ में सत्यार्थ प्रकाश की यात्रा का दस्तावेज) | प्रो० उमाकान्त उपाध्याय | ७०.०० |
| २. | स्वामी दयानन्द का राजनीति दर्शन (स्वामी दयानन्द के राजनीत दर्शन का समीक्षात्मक अध्ययन) | डॉ० लाल साहेब सिंह | ५०.०० |
| ३. | भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में आर्य समाज की देन (उन्नीस उत्कृष्ट निबंधों का संग्रह) | प्रो० उमाकान्त उपाध्याय द्वारा सम्पादित | १५.०० |
| ४. | त्रैतवाद का उद्भव और विकास (त्रैतवाद का उसके उद्भव और विकास के वैशिष्ट्य को स्पष्ट करने वाला दर्शन का शोधपूर्ण ग्रंथ) | डॉ० योगेन्द्र कुमार शास्त्री | २०.०० |
| ५. | उपनिषद् रहस्य (ईश केन और प्रश्न उपनिषदों की सारगर्भित व्याख्या) | महात्मा नारायण स्वामी ''सरस्वती'' | २०.०० |
| ६. | श्री श्री दयानन्द चरित | श्री सत्यबन्धुदास | १०.०० |
| ७. | महर्षि दयानन्द की देन (निबन्धों का संग्रह) | आर्यसमाज कलकत्ता द्वारा प्रकाशित | ३०.०० |
| ८. | धर्मवीर पं० लेखराम | स्वामी श्रद्धानन्द सरस्वती | ५०.०० |
| ९. | आनन्द संग्रह (स्वामी सर्वदानन्दजी महाराज के उपदेशामृत) | वीतराग स्वामी सर्वदानन्दजी महाराज | २५.०० |
| १०. | भाई परमानन्द (बलिदानी वंश के कुलदीपक की अमर कहानी) | श्री बनारसी सिंह | १०.०० |
| ११. | धर्म का आदि स्त्रोत | पं० गंगाप्रसाद जी | ३०.०० |
| १२. | संकल्प सिद्धि (विचारों के संकल्प विकल्प का अनोखा चिन्तन) | स्वामी ज्ञानाश्रम | ३०.०० |
| १३. | ज्योतिर्मय (श्रीयुत् टी. एल. वास्वानी द्वारा लिखित (Torch Bearer) ) का हिन्दी अनुवाद | टी॰एल॰ वास्वानी | ३०.०० |
| १४. | वेद-वैभव | प्रो० उमाकान्त उपाध्याय | १५०.०० |
| १५. | कर्मकाण्ड | प्रो० उमाकान्त उपाध्याय | १०.०० |
| १६. | स्वतंत्रता संग्राम में आर्य समाज का योगदान | ले० सत्यप्रिय शास्त्री | ५०.०० |
| १७. | आर्यसमाज कलकत्ता का इतिहास | प्रो० उमाकान्त उपाध्याय | ८०.०० |
| १८. | मेरे पिता | इन्द्र विद्यावाचस्पति | ५०.०० |
| १९. | वेद और स्वामी दयानन्द | प्रो० उमाकान्त उपाध्याय | ४०.०० |
| २०. | व्यतीत के यश की धरोहर (महासम्मेलनों के संस्मरणात्मक आकलन) | प्रो० उमाकान्त उपाध्याय | ६०.०० |
| २१. | Torch Bearer | टी० एल० वास्वानी | ३५.०० |
| २२. | पं० गुरुदत्त लेखावली | मुनिवर पं० गुरुदत्तजी 'विद्यार्थी' | २५.०० |
| २३. | प्रार्थना प्रवचन | प्रो० उमाकान्त उपाध्याय | ५०.०० |
| २४. | सन्ध्यारहस्य एवं संन्ध्या अष्टांग योग | प्रो० चमूपति एवं स्व० आत्मानन्द (एक जिल्द) | ३०.०० |
| २५. | बंगाल शास्त्रार्थ | प्रो० उमाकान्त उपाध्याय | ४०.०० |
| २६. | वेद में गोरक्षा या गोवध | प्रो० उमाकान्त उपाध्याय | ५.०० |
| २७. | वेद रहस्य | महात्मा नारायण स्वामी जी | ३५.०० |
| २८. | वेद वन्दन | प्रो० उमाकान्त उपाध्याय | १६०.०० |
| २९. | राज प्रजाधर्म प्रबोधभाष्य | प्रो० उमाकान्त उपाध्याय | ७०.०० |
| ३०. | वेद-वीथिका | प्रो० उमाकान्त उपाध्याय | १६०.०० |

आर्य समाज कलकत्ता, १९ विधान सरणी कोलकाता - ६ के लिए **श्री राजेन्द्र प्रसाद जायसवाल** द्वारा प्रकाशित तथा एशोशियेटेड आर्ट प्रिण्टर्स, ७/२, विडन रो, कोलकाता-६ में मुद्रित।